दैनिक विश्वमित्र

• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •

कल आज और कल 106 वर्ष दैनिक विश्वमित्र 1915-2021

वर्ष 106 ■ संख्या 4 | कोलकाता सोमवार ■ 4 जनवरी 2021 ■ पौष कृष्ण 5 सम्वत् 2077 | मूल्य : 3 रुपए, कुल पृष्ठ 8

दो गज की दूरी, मास्क बहुत जरूरी

गांगुली की हालत स्थिर

मोदी ने जाना हालचाल

कोलकाता, 3 जनवरी (नि.प्र.)। हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए बीसीसीआई अध्यक्ष एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली का उपचार कर रहे चिकित्सकों ने आज कहा कि उनके स्वास्थ्य संबंधी मानक सामान्य हैं तथा उनकी हालत स्थिर है। गांगुली की स्थिति को देखने के बाद उनकी एक और एंजियोप्लास्टी करने के बारे में फैसला लिया जाएगा। शनिवार को गांगुली की एंजियोप्लास्टी हुई थी। उनके हृदय की तीन धमनियों में अवरोध पाया गया था जिसे हटाने के लिए उन्हें एक स्टेंट लगाया गया था। गांगुली जिस अस्पताल में भर्ती हैं, वहां से जारी बुलेटिन में कहा गया, 'बीती रात सामान्य रही और उन्हें बुखार नहीं है। वह अभी सो रहे हैं। इसमें बताया कि गांगुली का रक्तचाप 110/70 है तथा उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर 98 फीसदी है। चिकित्सकों ने कहा कि गांगुली की स्थिति को देखने के बाद उनकी एक और एंजियोप्लास्टी करने के बारे में फैसला लिया जाएगा। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन कर सौरभ गांगुली की सेहत के बारे में जानकारी हासिल की और 'दादा' से बात की। अस्पताल में गांगुली को देखने वालों का सिलसिला आज भी जारी रहा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने वुडलैंड हास्पिटल पहुंचकर गांगुली की सेहत के बारे में जानकारी ली और उनसे बात की। श्री मौर्या ने संवाददाताओं को बताया कि वह गांगुली के फैन हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने गांगुली के बारे में पूछे गए सियासी सवालों का जवाब देने से मना कर दिया। गांगुली का उपचार कर रहे चिकित्सकों में से एक ने कहा था, 'उनके (गांगुली) हृदय तक जाने वाली तीन प्रमुख धमनियों में अवरोध (ट्रिपल वेसल डिसीज) पाया गया है, इसलिए एक और एंजियोप्लास्टी करने की जरूरत होगी।' वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. देवी शेट्टी कल कोलकाता आ रहे हैं। वह सौरभ गांगुली के आगे की चिकित्सा पर उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों की टीम के साथ विचार करेंगे।

एक और एंजियोप्लास्टी पर फैसला जल्द

अजब गजब

ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं,
है अपना ये त्यौहार नहीं।
है अपनी ये तो रीत नहीं,
है अपना ये व्यवहार नहीं।
धरा ठिठुरती है सर्दी से,
आकाश में कोहरा गहरा है।
बाग़ बाज़ारों की सरहद पर,
सर्द हवा का पहरा है।
सूना है प्रकृति का आँगन,
कुछ रंग नहीं , उमंग नहीं।
हर कोई है घर में दुबका हुआ,
नव वर्ष का ये कोई ढंग नहीं।
चंद मास अभी इंतज़ार करो,
निज मन में तनिक विचार करो।
नये साल नया कुछ हो तो सही,
क्यों नक़ल में सारी अक्ल बही।
उल्लास मंद है जन -मन का,
आयी है अभी बहार नहीं।
ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं,
है अपना ये त्यौहार नहीं।
ये धुंध कुहासा छंटने दो,
रातों का राज्य सिमटने दो।
प्रकृति का रूप निखरने दो,
फागुन का रंग बिखरने दो।
प्रकृति दुल्हन का रूप धार,
जब स्नेह - सुधा बरसायेगी।
शस्य - श्यामला धरती माता,
घर -घर खुशहाली लायेगी।
तब चैत्र शुक्ल की प्रथम तिथि,
नव वर्ष मनाया जायेगा।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

अब भारत में कोरोना से डरने की जरूरत नहीं

दो वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना वायरस की जंग लड़ रहे भारत में दो वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी गई है। डीसीजीआई ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह ऐलान किया कि देश में सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटेक की वैक्सीन को आपात स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है। डीसीजीआई के निदेशक वीजी सोमानी ने बताया कि 1 और 2 जनवरी को सबजेक्ट कमेटी ने बैठक की थी और दो वैक्सीन के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने की सिफारिश की थी जिसके बाद सीरम इंस्टिट्यूट के कोवीशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। वैक्सीन को इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के बाद सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने पीएम मोदी का शुक्रिया अदा किया और लिखा, 'सभी को नया साल मुबारक! आखिरकार कोरोना वैक्सीन को लेकर जो जोखिम उठाए आज उसका फल मिल गया। आने वाले हफ्तों में कोविशील्ड इस्तेमाल के लिए उपलब्ध रहेगी।'

इससे पहले यह खबर आई थी कि भारत बायोटेक की बनाई स्वदेशी कोरोना वैक्सीन 'केंद्र' को एक्सपर्ट्स कमेटी ने आपात स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस पर डीसीजीआई की आखिरी मंजूरी मिलना बाकी है। वहीं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सटी और एस्ट्राजेनेका के साथ सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की बनाई कोरोना वैक्सीन 'कोविशील्ड' को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिली थी। देशभर में चले ड्राई रन का जायजा लेने के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने भी यह बताया था कि पहले चरण में देशभर के करीब 3 करोड़ लोगों को मुफ्त कोरोना टीका लगाया जाएगा। साथ ही, उन्होंने कहा था कि इसे मंजूरी देने से पहले किसी भी प्रोटोकॉल के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

वर्तमान में भारत में कोरोना की छह वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल जारी है। इनमें कोवीशिल्ड और कोवैक्सिन भी शामिल है। कोवीशिल्ड ऑस्ट्रॉक्सी वैक्सीन है, जिसे एस्ट्रजेनेका और पुणे के सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित किया गया है। कोवैक्सीन भारत की बायोटेक द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के सहयोग से विकसित किया जा रहा स्वदेशी टीका है। इन दोनों के अलावा, अहमदाबाद में कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड द्वारा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से नूउजत-ऊ को विकसित किया जा रहा है। साथ ही छतद-उेत2373 को नोवामैक्स के सहयोग से सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित किया जा रहा है। दो अन्य टीके हैं, जिनमें से एक एमआईटी, यूएस के सहयोग से बायोलॉजिकल ई लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा निर्मित है। दूसरा एचडीटी, यूएस के सहयोग से पुणे स्थित गेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।

वैक्सीन पर बोले मोदी

यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारत में कोविड-19 रोधी दो टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने को कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ भारत की जंग में निर्णायक क्षण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि इससे कोविड मुक्त भारत की मुहिम को बल मिलेगा। भारत के औषध महानियंत्रक द्वारा ऑक्सफोर्ड के टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के 'कोवैक्सीन' के सीमित आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है कि देश में जिन दो टीकों के आपात इस्तेमाल की स्वीकृति दी गई है, वे भारत निर्मित हैं। उन्होंने देश को, वैज्ञानिकों और नवोन्मेषकों को बधाई देते हुए कहा, 'यह आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए हमारे वैज्ञानिक समुदाय की इच्छाशक्ति को दर्शाता है। वह आत्मनिर्भर भारत, जिसका आधार है- सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।' उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में असाधारण सेवा भाव के लिए डॉक्टरों, चिकित्साकर्मियों, वैज्ञानिकों, पुलिसकर्मियों, सफाईकर्मियों और सभी कोरोना योद्धाओं के प्रति एक बार फिर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि ''देशवासियों का जीवन बचाने के लिए हम सदा उनके आभारी रहेंगे। मोदी ने ट्वीट किया, 'वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत की जंग में एक निर्णायक क्षण! सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक के टीकों को डीसीजीआई की मंजूरी मिलने से स्वस्थ और कोविड मुक्त भारत की मुहिम को बल मिलेगा।'

'दुआरे सरकार' लोगों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई लोगों के घर तक पहुंच कर सरकारी सुविधाएं देने और उनकी समस्याओं का निराकरण करने की पहल 'दुआरे सरकार' योजना किसी भी सरकारी योजना से लोगों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुई है। 30 दिसंबर तक दुआरे सरकार की 12 योजनाओं के लिए 44,70,000 आवेदन मिले थे। इनमें 18,21,000 आवेदन मंजूर किए जा चुके हैं, जबकि 23,53,000 आवेदन विचाराधीन हैं। अनेक आवेदन रद्द भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज दुआरे सरकार योजना को मिली सफलता को लेकर ट्वीट किया कि इस योजना की जनता में लोकप्रियता की स्थिति यह है कि इस योजना के दौरान कुल आवेदनों में 73% आवेदन स्वास्थ्य साथी के लिए हैं। दुआरे सरकार के दौरान खाद्य साथी के लिए 3,68,608, नरेगा के लिए 6,88,899, कृषक बंधु 2,27,480, जाति प्रमाण पत्र 2,72,440 तथा स्वास्थ्य साथी के लिए 6,10,000 आवेदन मिले हैं। मालूम रहे कि दुआरे सरकार योजना का तीसरा चरण 25 जनवरी को समाप्त होगा और चौथा चरण 2 से 15 फरवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 1 जनवरी को रिकार्ड 3.85 लाख लोगों को स्वास्थ्य साथी कार्ड दिया गया।

उन्होंने कहा है कि कुछ लोग स्वास्थ्य साथी का डुप्लिकेट कार्ड बना रहे हैं। इसे देखते हुए निजी अस्पतालों से स्वास्थ्य साथी कार्ड की गहराई से जांच करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो स्वास्थ्य साथी योजना को लेकर आलोचना कर रहे हैं, एक दिन वे मानेंगे कि राज्य सरकार ने इस योजना में कितना काम किया है। उन्होंने कहा कि नए बन रहे कार्ड के साथ ही स्वास्थ्य साथी योजना के पूराने कार्ड भी मान्य रहेंगे।

21 करोड़ के ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बेलगछिया में एसटीएफ को बड़ी कामयाबी

कोलकाता, 3 दिसम्बर (नि.प्र.)। असम से 21 करोड़ का ड्रग्स लेकर कोलकाता पहुंचे दो तस्करों को पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने धर दबोचा है। इनकी पहचान 47 साल के माहर अली और 26 साल के रविउल हुसैन के तौर पर हुई है। दोनों ही असम के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी के बारे में एसटीएफ (उपायुक्त) अपराजिता रॉय ने आज दोपहर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शनिवार रात 7:45 बजे के करीब खुफिया सूचना के मुताबिक उल्टाडांगा थाना क्षेत्र के बेलगछिया इलाके के मिल्क कॉलोनी के पास अशोक लीलैंड कंपनी के ट्रक को रोका गया। गहन तलाशी लेने पर ट्रक के बैटरी बॉक्स में एक पैकेट में छिपाकर रखी गई दो किलो हेरोइन बरामद की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 10 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 2.32 लाख याबा टेबलेट भी बरामद किए गए हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 11.6 करोड रुपये है। कुल मिलाकर 21.6 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त किया गया है.दोनों से गहन पूछताछ के बाद आज तड़के 3:00 बजे के करीब इन्हें गिरफ्तार कर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अपराजिता रॉय ने बताया है कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया है कि मादक पदार्थों को बांग्लादेश की सीमा पार करने के इरादे से वे लेकर आए थे। इसे किसी और के हवाले कर दिया जाना था लेकिन उसके पहले इन्हें धर दबोचा गया। इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मरीज घटे

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मरीजों की संख्या में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। इस आशय की जानकारी देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अब देश में कोरोना के सक्रिय मरीज सिर्फ 2,44,572 रह गए हैं। अब तक इस महामारी से 99,40,730 लोग पूरी तरह से रोगमुक्त हो चुके हैं। हालांकि कोरोना वायरस से अब तक 1,49,617 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों ने कहा कि अभी भी पूरी तरह से सावधानी बरतने की जरूरत है। भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचा जाना चाहिए, क्योंकि कुल संक्रमितों की संख्या 1,03,37,788 पहुंच गई है।

बंगाल में कोरोना के नए मामले 896

कोलकाता, 3 दिसम्बर (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल में आज कोरोना वायरस संक्रमण के 896 नए मामले दर्ज किए गए। इसी के साथ राज्य में अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,54,975 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक इस महामारी से आज 26 मरीजों की मौत हो गई, जिससे कोरोना से मरने वाले की कुल संख्या बढ़कर 9,792 पहुंच गई है। आज डिस्चार्ज रेट 96.35% रिकार्ड की गई। कुल 5,34,737 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। 10,446 सक्रिय मरीज चिकित्साधीन हैं।

सोनिया गांधी का केंद्र पर निशाना

'अहंकारी' सरकार को नहीं दिखती अन्नदाताओं की पीड़ा

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। किसानों के प्रदर्शन को लेकर केंद्र की आलोचना करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज कहा कि देश की आजादी के बाद से पहली बार ऐसी 'अहंकारी' सरकार सत्ता में आई है, जिसे अन्नदाताओं की 'पीड़ा' दिखाई नहीं दे रही है। साथ ही, उन्होंने नए कृषि कानूनों को बिना शर्त फौरन वापस लेने की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र में जनभावनाओं की उपेक्षा करने वाली सरकारें और उनके नेता लंबे समय तक शासन नहीं कर सकते। अब यह बिलकुल साफ़ है कि मौजूदा केंद्र सरकार की 'थकाओ और भगाओ' की नीति के सामने आंदोलनकारी धरती पुत्र किसान मज़दूर घुटने टेकने वाले नहीं हैं। सोनिया ने कहा कि अब भी समय है कि (नरेंद्र) मोदी सरकार सत्ता के अहंकार को छोड़कर तत्काल बिना शर्त तीनों काले क़ानून वापस ले और ठंड एवं बारिश में दम तोड़ रहे किसानों का आंदोलन समाप्त कराए। यही राजधर्म है और दिवंगत किसानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी। उन्होंने कहा कि (केंद्र की) मोदी सरकार को यह याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र का अर्थ ही जनता एवं किसान-मज़दूरों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि हाड़ कंपा देने वाली ठंड और बारिश के बावजूद दिल्ली की सीमाओं पर अपनी मांगों के समर्थन में 39 दिनों से संघर्ष कर रहे अन्नदाताओं की हालत देखकर देशवासियों सहित मेरा मन भी बहुत व्यथित है। उन्होंने कहा कि आंदोलन को लेकर सरकार की बेरुख़ी के चलते अब तक 50 से अधिक किसान जान गँवा चुके हैं। कुछ (किसानों) ने तो सरकार की उपेक्षा के चलते आत्महत्या जैसा कदम भी उठा लिया। पर बेरहम मोदी सरकार का न तो दिल पसीजा और न ही आज तक प्रधानमंत्री या किसी भी मंत्री के मुँह से सांत्वना का एक शब्द निकला। सोनिया ने कहा कि मैं सभी दिवंगत किसान भाइयों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभु से उनके परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करती हूं। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद देश में यह पहली ऐसी अहंकारी सरकार सत्ता में आई है जिसे देश का पेट भरने वाले अन्नदाताओं की पीड़ा और संघर्ष भी दिखाई नहीं दे रहा। *(शेष पृष्ठ 8 पर)*

राजस्थान-एमपी में बर्ड फ्लू की दस्तक

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। देश कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रहा है। वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल को सरकार से मंजूरी मिलने के बाद थोड़ी राहत मिली नहीं कि अब बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। इस संक्रमण के कारण राजस्थान के झालावाड़, जयपुर आदि में बड़ी तादाद में कौओं की मौत हुई है। कौओं की मौत की इन घटनाओं को लेकर पशुपालन विभाग हरकत में आ गया है। विभाग की जांच टीम, जांच के लिए झालावाड़ पहुंच गई है। वहीं, मध्य प्रदेश में भी कौओं के बर्ड फ्लू से संक्रमित होने का मामला सामने आया है। जयपुर में भी बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है।

यूपी के मुरादनगर में बड़ा हादसा

शवयात्रा में गए लोगों पर गिरी छत, 23 मरे

गाजियाबाद, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश में गाजियाबाद के मुरादनगर में आज श्मशान घाट परिसर की छत गिरने से 23 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आज तड़के से हो रही तेज बारिश के कारण मुरादनगर में बंबामार्ग पर स्थित श्मशान घाट परिसर की छत और दीवार बुरी तरह से ढह कर गिर गई हैं।

घटना के समय श्मशान घाट पर अंत्येष्टि हो रही थी, इस कारण वहां एकत्र करीब 40 से अधिक लोग मलबे में दब गए। उन्होंने कहा कि घटना में 23 लोगों की मौत हो गई है और 28 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राहत और बचाव कार्य जारी है। मलबे से कई लोगों को निकाल लिया गया है। दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर में छत गिरने की घटना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

2-2 लाख रुपए की सहायता राशि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि घटना से प्रभावित व्यक्तियों को हरसंभव मदद पहुंचाई जाए तथा हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपए की अर्थिक सहायता के देने निर्देश दिए हैं।

।। नीति वचन ।।

सत्य बोले प्रिय बोले, अप्रिय सत्य न बोले। साथ ही प्रिय होने पर भी असत्य न बोले। यही सनातन धर्म है। -मनुस्मृति

परहित बस जिनके मनमाहीं, तिन कहं जग दुर्लभ कछु नाहीं।।

स म्पा द की य

फिर बढ़ी चिंता

ऐसे वक्त में जब देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या और पीड़ितों की मौत के आंकड़ों में गिरावट दर्ज की जा रही थी, ब्रिटेन में कोरोना वायरस के रूप बदलने के घटनाक्रम ने हमारी चिंता बढ़ा दी है। चिंता की वजह यह है कि ब्रिटेन से आये तमाम लोग बिना कोरोना जांच के अपने गंतव्य स्थलों को निकल गये। अब सोया तंत्र उन लोगों की तलाश में लगा है जो ब्रिटेन से आने के बाद नहीं मिल रहे हैं। ये हर देशवासी की गहरी चिंता का विषय है क्योंकि ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नये स्ट्रेन ने दुनिया को चौंकाया है। जो पहले वायरस के मुकाबले सत्तर फीसदी अधिक तेजी से फैलता है। हालांकि अभी कोई वैज्ञानिक अध्ययन सामने नहीं आया है कि नया वायरस पहले की तुलना में कितना अधिक घातक है और इस पर वैक्सीन कितनी प्रभावी होगी। फिर भी हमारी चिंता का विषय यह है कि यदि ब्रिटेन से आये किसी व्यक्ति से यह संक्रमण भारत में फैलता है तो अब तक की सारी मेहनत पर पानी फिर जायेगा। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में इस संक्रमण को रोक पाना बड़ी चुनौती है। भारत में जनसंख्या का घनत्व ब्रिटेन समेत अन्य देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है जो संक्रमण के तेजी से फैलने की जमीन तैयार करता है। इसके बावजूद प्रवासी भारतीयों के देश लौटने पर बरती गई लापरवाही हमारे तंत्र की कोताही को भी उजागर करती है, जो सांप निकलने के बाद लाठी पीटने की संस्कृति में रमा हुआ है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नये स्ट्रेन के सामने आने की बात काफी समय से अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रही थी। ब्रिटेन ने भी इस महामारी के विस्तार की बात को कुछ विलंब से स्वीकार किया। लेकिन हमारे नीति-नियंता बेसुध रहे। जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत अन्य लोग ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइटों पर रोक लगाने की मांग करने लगे, तब जाकर इस बाबत फैसला लिया गया। तब तक देर हो चुकी थी। निस्संदेह, एक नागरिक के रूप में भी हम समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन में चूकते हैं। बहुत संभव है कि ब्रिटेन में सामने आया नया स्ट्रेन घातक हो सकता है। ऐसे में ब्रिटेन से आने वाले लोगों को ईमानदारी से सरकारी एजेंसियों को सूचित करना चाहिए था और वे कोरोना जांच के लिये आगे आते।

आज का पंचांग

4 जनवरी 2021, सोमवार पौष कृष्ण तिथि षष्ठी (4 जनवरी दिन-रात तथा अगले दिन 5 जनवरी प्रातः 5.47 तक)। सूर्योदय समय ग्रहों की स्थिति : सूर्य धन में, बुध धन में, शनि मकर में, चन्द्रमा सिंह में, गुरु मकर में, राहु वृष में, मंगल मेष में, शुक्र धन में, केतु वृश्चिक में। विक्रमी सम्वत् 2077, पौष प्रविष्टे 21, राष्ट्रीय शक सम्वत् 1942, दिनांक 14 (पौष), हिजरी साल 1442, महीना : जमादि-उल-अव्वल, तारीख 19, सूर्योदय प्रात: 7.31 बजे, सूर्यास्त सायं 5.34 बजे, नक्षत्र : पूर्वा फाल्गुनी (सायं 7.17 तक) तथा तदोपरांत नक्षत्र उत्तरा फाल्गुनी। योग: आयुष्मान (प्रात: 8 तक) तथा तदोपरांत योग सौभाग्य। चन्द्रमा : सिंह राशि पर (4-5 जनवरी से मध्य रात 1.04 तक) तथा तदोपरांत कन्या राशि पर प्रवेश करेगा। भद्रा शुरू होगी (5 जनवरी प्रात: 5.47 पर)। दिशा शूल : पूर्व एवं ईशान। दिशा के लिये, राहू काल : प्रात: साढ़े सात से नौ बजे तक। पर्व दिवस तथा त्यौहार : आचार्य श्री तुलसी दीक्षा दिवस (जैन 4-5 जनवरी)।

आज का राशिफल

मेष : जनरल सितारा स्ट्रांग। उद्देश्य मनोरथ हल होंगे। तेज प्रभाव दबदबा बना रहेगा। आमदनी होने के बावजूद भी धन की तंगी महसूस होती रह सकती है।

वृष : कोर्ट कचहरी के कामों में कामयाबी तो मिलेगी। मगर भरपूर जोर लगाना जरूरी होगा। ध्यान रखें कि चलते-फिरते या सीढ़ियां उतरते-चढ़ते समय पांव न फिसल जाए।

मिथुन : मित्र, सहयोगी, काम काजी साथी हर फ्रंट पर आपको सपोर्ट करेंगे तथा तालमेल रखेंगे। ढैया भी पेचीदगियां रखने वाला है। एहतियात रखें।

कर्क : सितारा व्यापार कारोबार के काम संवारने तथा अर्थ दशा कंफर्टेबल रखने वाला है। मगर फैमिली फ्रंट पर टेंशन-परेशानी, खींचातानी रह सकती है।

सिंह : अर्थ तथा कारोबारी दशा अच्छी। जनरल तौर पर आप हर फ्रंट पर हावी, प्रभावी, विजयी रहेंगे। मगर मौसम के एक्सपोज़र से बचाव रखें।

कन्या : सितारा नुकसान, धन हानि, टेंशन परेशानी रखने वाला। उधारी में न फंसे। वर्ना उदार दी गई पेमेंट की वापसी में मुश्किल हो जाएगी।

तुला : सितारा आमदनी वाला। यत्न करने पर कोई कामकाजी बाधा मुश्किल हटेगी। जमीनी अदालती कामों के लिए आपकी भाग दौड़ पाजिटिव रिजल्ट देगी।

वृश्चिक : जिस काम के लिए यत्न या भाग दौड़ करेंगे। उसमें कुछ न कुछ बेहतरी जरूर होगी। अफसरों के रूख में साफ्टनेस बनी रहेगी। शत्रु कमजोर रहेंगे।

धनु : जनरल सितारा जोरदार। धार्मिक कामों को अटैंड करने, कथा वार्ता-भजन-कीर्तन रखने में जी लगेगा। जनरल हालात बेहतर रहेंगे।

मकर : सितारा पेट के लिए ढीला। अनमने मन से कोई काम या यत्न शुरू न करें। क्योंकि समय उलझनें पेचीदगियों, परेशानियां वाला है।

कुंभ : व्यापार तथा काम काज की दशा अच्छी। सफलता साथ देगी। तेज प्रभाव बना रहेगा। जनरल तौर पर आप हावी, प्रभावी, विजयी रहेंगे।

मीन : कमजोर सितारा तथा कमजोर मनोबल के कारण किसी भी काम को हाथ में लेने के लिए मन राजी न होगा। मन भी टेंस परेशान सा रहेगा।

मानव बनाम राम

शिष्य गुरु से बोला-
मानव को गर अचानक कहीं 'वानर' दिख जाता,
बड़ी श्रद्धा से उसे 'हनुमान' कहने लग जाता।
भगवान समझके फल-वल खिलाने लगता,
अपने आपको बहुत धन्य समझने लगता।
परन्तु मानव को देख मानव क्यूं नहीं समझता 'राम'?
क्या इससे उसकी खुद की नींद हो सकती हराम?
गुरुजी ने जवाब दिया-
गर मानव को मानव बूझने लगे 'राम',
फिर स्वयं को देगा वो कौन-सा नाम?
वैसे भी 'राम' जैसे चरित्र वाले आज कहां मिलते?
आज के मानव तो दानव-सी हरकतें करते फिरते।

समकालीन हिन्दी कविता
■ महेन्द्र अग्रवाल

आंदोलन लंबा खिंचा तो युवा किसानों को रोके रखना चुनौती

सोनीपत, 3 जनवरी एजेंसियां)। कृषि कानूनों को रद्द कराने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों व सरकार के बीच लगातार बातचीत हो रही है, लेकिन उसके बावजूद कोई फैसला अभी तक नहीं हो सका हैऔर किसानों का आंदोलन लंबा होता जा रहा है। इससे किसानों का धैर्य जवाब देने लगा है। बुजुर्ग किसान किसी तरह से शांत है, लेकिन युवा किसान बार-बार उग्र हो रहे हैं और वह कभीएनएच 44 से गांवों के रास्ते व केजीपी-केएमपी को रोक रहे हैं तो दिल्ली में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में युवा किसानों को शांत रखना किसान संगठनों के नेताओं के लिए बड़ी चुनौतीहै। जिसके लिए उनको बैठक तक करनी पड़ रही है। नेताओं ने खुद कहा कि सरकार के कारण आंदोलन लंबा होने से युवाओं का धैर्य जवाब दे रहा है, लेकिन सभी से शांति बनाए रखने के लिएकहा गया है। नेशनल हाईवे 44 के कुंडली बॉर्डर पर किसान डटे हुए है। वहां किसान लगातार बढ़ते जा रहे है और इतनी ठंड के बीच भी किसान का हौसला कम नहीं हो रहा है। इस बीच किसानों व सरकार केबीच लगातार बातचीत हो रही है, लेकिन उसका हल कोई नहीं निकल रहा है। किसानों को अभी तक 37 दिन हो चुके हैं। आंदोलन लंबा होने के साथ ही सरकार से बातचीत के बाद भी कोई हल नहीं निकलता देख अब किसानों का धैर्य जवाब देने लगा है। बॉर्डर पर डटे किसानों में करीब 40 प्रतिशत युवा शामिल हैं। युवा किसानों का गुस्सा बढ़ा तो सबसे पहले नेशनल हाईवे 44 कोकेजीपी-केएमपी गोल चक्कर के पास से रोक दिया, जिससे आसपास के दस से ज्यादा गांव के लोग भी बाहर नहीं आ सकते थे। उन गांवों के सरपंचों ने किसान नेताओं के सामने आपत्ति जताई तो नेशनल हाईवे 44 से पत्थर हटाने की सहमति बनी। उसके बाद युवा किसानों ने खुद ही केजीपी व केएमपी पर जाम लगा दिया और प्रशासन को संगठनों के नेताओं से बात करके जाम खुलवाना पड़ा। अब संयुक्त किसान मोर्चा की सहमति के बिना ही जयपुर हाईवे से दिल्ली में जाने का प्रयास किया गया और उसको लेकर वहां काफी हंगामा हुआ। किसान नेता कहते है कि युवाओं का धैर्य जवाब देने लगा है, लेकिन उनको समझाया जा रहा है और शांति व्यवस्था के साथ आंदोलन चलाने की अपील की गई है। सरकार का जिस तरह का रवैया अभी तक है, उसको देखते हुए ऐसे में युवा किसानों का धैर्य जवाब देने लगा है। यह केवल युवा किसानों की बात नहीं है, बल्कि ऐसे में कोई भी होता तो वह भी धैर्य खोने लगता। युवा साथियों से बात की गई है कि संयुक्त किसान मोर्चा चाहता है कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से चलता रहे। हम लोगों को शुरुआत में लगता था कि आंदोलन कुछ दिन का रहेगा और सरकार मांगों को मान लेगी। सरकार अड़ी हुई है तो किसान भी हर हाल में कृषि कानून रद्द कराकर रहेंगे। अब चाहेएक महीने की जगह एक साल लग जाए। जिस तरह से किसानों ने शांति के साथ आंदोलन को चलाया हुआ है, वह तारीफ के काबिल है और युवा किसानों को लगातार शांति के साथ आंदोलनचलाने के लिए कहा जा रहा है।

कड़कती ठंड में भी गर्म हो जाएंगे शरीर के अंग

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बैली ब्रीदिंग बेहद आसान-सी एक्सरसाइज है, जिसे किसी भी उम्र में किया जा सकता है। इससे न केवल ब्लड फ्लो को बेहतर कर बॉडी ऑर्गन्स की उम्र बढाई जा सकती है, बल्कि कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में भी मददगार साबित हो सकता है। क्या आपने अपनी ब्रीदिंग पर ध्यान दिया है? अगर ध्यान देंगे तो ज्यादातर लोग पाएंगे कि उनकी ब्रीदिंग काफी शॉर्ट होती है। ऐसा इसलिए होता है कि वे लोग अपने फेफड़ों में काफी कम हवा भरते हैं, जिससे उनकी बॉडी को भरपूर ऑक्सीजन हवा नहीं मिल पाती। कहने को तो ये बहुत छोटी बात है, लेकिन इसका आपकी बॉडी पर काफी गहरा असर पड़ता है और ये कई बीमारियों की वजह भी बन सकती है। इसे ऐसे समझ सकते है कि ब्लड आपकी बॉडी का फ्यूल है और कम मात्रा में ऑक्सीजन मिलने के कारण उसका फ्लो कम हो जाता है और बॉडी ऑर्गन्स की उम्र घट जाती है। इसलिए आपकी बॉडी को सही मात्रा में ऑक्सीजन मिले और सभी ऑर्गन सही तरह से काम करें, इसके लिए बैली ब्रीदिंग आपकी मदद कर सकता है। बैली ब्रीदिंग करने के लिए सबसे पहले अपना दायां हाथ उठाकर अपने नाभि पर रखें, इसे मणिपुर चक्र भी कहा जाता है। फिर अपना बायां हाथ अपने सीने पर रखें, जिसे अनाहत चक्र कहा जाता है। अब डीप ब्रीदिंग की प्रेक्टिस करें। जब सांस अंदर लें (इनहेल) तो अपनी नाभि को ज्यादा से ज्यादा बाहर निकालने की कोशिश करें। और जब सांस छोड़ें (एक्जेल) तो अपनी नाभि को ज्यादा से ज्यादा अंदर खींचने की कोशिश करें। इस दौरान अपनी आंखें बंद और दिमाग को शांत रखना है। अब सांस अंदर लें और नाभि को बाहर निकालें। कुछ देर बाद सांस छोड़ते हुए नाभि को ज्यादा से ज्यादा अंदर खींचें। इसे रिपीट करना है। साथ ही अपना ध्यान मणिपुर चक्र या नाभि पर केंद्रित करने की कोशिश करें। आप चाहें तो बैली ब्रीदिंग की प्रैक्टिस शवासन के दौरान भी कर सकते हैं। इसके लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं। उसके बाद ठीक पहले की तरह अपना दायां हाथ उठाकर अपने नाभि पर रखें। चाहें तो बाएं हाथ को अपने सीने पर रख सकते हैं। लेकिन अगर परेशानी हो रही हो तो हाथ को मैट पर ही रहने दें। अब पहले की ही तरह इनहेल और एक्जेल के सेट करना है। बैली ब्रीदिंग करने के आपको ढ़ेर सारे फायदे मिलते हैं। ये बॉडी में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाता है। साथ ही ब्लड के फ्लो को भी सही करता है। इसे करने से आपका डायजेशन भी बेहतर होता है और कब्ज की समस्या दूर होती है। इतना ही नहीं, ये बहुत अच्छा स्ट्रेस बस्टर यानी तनाव को दूर करने वाला है। अगर आप ध्यान के साथ इसकी माइंडफुल प्रैक्टिस कर रहे हैं, तो बैली ब्रीदिंग आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। बैली ब्रीदिंग आप कभी भी कर सकते हैं।

गहलोत व पायलट का विवाद निपटाने में असहाय साबित हुआ आलाकमान

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस आलाकमान काफी मशक्कत के बावजूद राजस्थान के नेताओं का झगड़ा नहीं निपटा पा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच चल रही सियासी जंग इस हद तक बढ़ गई कि पार्टी आलाकमान फैसलों की तारीख तय करने के बावजूद निर्णय नहीं कर पा रहा है। गहलोत व पायलट के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण ना तो पिछले छह माह से प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी गठित हो सकी और ना ही मंत्रिमंडल में फेरबदल व राजनीतिक नियुक्तियों का काम हो पा रहा है। प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी व जिला अध्यक्षों की नियुक्ति दिसंबर माह में करने की घोषणा की थी । माकन ने प्रदेश का दौरा कर कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया था कि दिसंबर में संगठनात्मक नियुक्तियों का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद जनवरी के पहले सप्ताह से सरकार को लेकर निर्णय होंगे। उन्होंने कहा था कि जनवरी में मंत्रिमंडल में फेरबदल व राजनीतिक नियुक्तियां हो जाएगी। लेकिन दोनों दिग्गजों के बीच चल रहे सियासी संघर्ष में माकन की बिल्कुल नहीं चल पा रही है। माकन ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ मिलकर संभावित पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की सूची तैयार की थी। लेकिन इस सूची को गहलोत व पायलट दोनों ने ही मानने से इंकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार दोनों ने एक-दूसरे द्वारा सुझाए गए नामों पर सहमति नहीं दी। वहीं जिन वरिष्ठ विधायकों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में पदाधिकारी बनाया जा रहा था,उनमें से कई ने संगठन में काम करने से इंकार कर दिया। विधायकों ने सरकार में काम करने की इच्छा जताई है । अधिकांश विधायकों ने मंत्री बनने की इच्छा जताई है। वहीं कुछ ने राजनीतिक नियुक्ति के माध्यम से सरकार में दखल रखने को लेकर अपनी बात आलाकमान तक पहुंचाई है। गहलोत व पायलट की सियासी जंगऔर विधायकों की इच्छा के चलते आलाकमान सत्ता एवं संगठन दोनों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पा रहा है। माकन जब मामले को सुलझाने में असहाय साबित होने लगे तो पार्टी के संगठन महासचिव के.सी.वेणुगोपाल ने दखल किया,लेकिन वे भी अब तक कुछ खास नहीं कर पाए। सूत्रों के अनुसार अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ही राजस्थान से जुड़े मामलों का निस्तारण करेंगे।

जीविका दीदियों का होगा बीमा, जिला अस्पतालों की कैंटीन का करेंगी प्रबंधन

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य के सभी जिला अस्पतालों की कैंटीन में भोजन का प्रबंधन जीविका दीदियां करेंगी। इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। यह भी निर्देश दिया है कि जीविका दीदियों के बीमा की योजना बनाएं। मुख्यमंत्री के समक्ष शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग ने जीविका से संबंधित प्रस्तुतीकरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कई निर्देश दिए। साल के पहले दिन मुख्यमंत्री 11 बजे मुख्य सचिवालय पहुंचे और करीब छह घंटे वहां रहें और भी कई समीक्षाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। स्वयं सहायता समूह की संख्या को और बढ़ाएं। महिलाओं को और प्रशिक्षित किया जाय, ताकि उनकी भागीदारी छोटे उद्यमों में बढ़े। जीविका दीदियों के माध्यम से मद्य निषेध कार्य के लिये लोगों को प्रेरित करें। वैसे वंचित परिवार, जिन्हें किसी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, उन्हें चिह्नित कर सतत् जीविकोपार्जन योजना का लाभ दिलाएं। नीरा के उपयोग को और बढ़ावा दें। मत्स्य पालन से जुड़ने के लिये भी जीविका दीदियों को प्रेरित एवं उन्हें प्रशिक्षण दें। प्रस्तुतीकरण में जीविका समूह द्वारा आजीविका के लिये किये जा रहे कार्यों पशुधन गतिविधियां, दूध उत्पादन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन तथा गैर कृषि आजीविका कार्य की जानकारी दी गई। मुख्य सचिवालय में इस दौरान मुख्य सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव चंचल कुमार, प्रधान सचिव ग्रामीण विकास विभाग अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव मनीष कुमार वर्मा, अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विषेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित ग्रामीण विकास विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के बाद पत्रकारों से मुख्यमंत्री कहा कि वे अब हर सप्ताह मुख्य सचिवालय में बैठेंगे। उन्होंने कहा कि पहले यहां अक्सर आते थे, पर कुछ वर्षों से नहीं आ रहे थे। अब में यहां आकर भी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा करना ही मेरा धर्म है। इसमें लगे रहते हैं। योजनाओं की समीक्षा करते रहते हैं। लोगों से भी जाकर मिलते हैं। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी मिलती है और कोई कठिनाई आ रही है तो उसे तत्काल दूर किया जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नये कार्यकाल को लेकर जो भी निर्णय लिये गये हैं, उन कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बजट सत्र में इन सभी कार्यों के लिये बजट का प्रबंध होगा, ताकि सभी काम शुरू किए जा सकें।

नई उद्योग नीति, केंद्र सरकार कभी भी कर सकती है घोषणा

जम्मू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में उद्योग की नई कहानी लिखने के लिए बिसात बिछ चुकी है। इसके लिए केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष उद्योग नीति तैयार की है और नए साल में जल्द ही इसकी घोषणा होने की उम्मीद है। अनुच्छेद 370 व 35 ए के कारण आज तक बाहरी राज्यों के निवेश से वंचित रहे जम्मू-कश्मीर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से नई उद्योग नीति में कुछ विशेष रियायतें मिलने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर को देश का औद्योगिक केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही सरकार ने इसके लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां भी शुरू कर दी है। नई उद्योग नीति को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है और अब केवल अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। उद्योग व वाणिज्य विभाग के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार नई उद्योग नीति में स्थानीय उद्योगपतियों को सरकारी विभागों में होने वाली खरीद में प्राथमिकता दी जा सकती है। ऐसे में सरकारी विभाग जो भी खरीद करेंगे, उसके लिए सबसे पहले स्थानीय उद्योग को प्राथमिकता मिलेगी और स्थानीय स्तर पर उत्पाद उपलब्ध न होने पर ही सरकार बाहरी कंपनियों को आर्डर देगी। दूसरी सबसे बड़ी प्राथमिकता बीस फीसद दाम की होगी। मसलन अगर कोई बाहरी कंपनी 100 रुपये में कोई उत्पाद देती है और जम्मू-कश्मीर में उद्योग चलाने वाले 120 रुपये में भी वो उत्पाद उपलब्ध करवाते है तो सरकारी विभाग अधिक भुगतान करके भी स्थानीय स्तर पर खरीद करेंगे। इतना ही नहीं गवर्नमेंट ई-मार्केट(जेम) में भी जम्मू-कश्मीर के उद्योगपतियों को प्राथमिकता मिलने की पूरी उम्मीद है। नई उद्योग नीति में मौजूदा समय में मिल रही जीएसटी रिर्टन समेत अन्य लाभ भी नई उद्योग नीति में जारी रखे जा रहे हैं ताकि जम्मू-कश्मीर में उद्योग को बढ़ावा मिल सके। उद्योग व वाणिज्य विभाग की निदेशक अनु मल्होत्रा की माने तो जम्मू-कश्मीर को देश का औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए कई प्रस्ताव सौंपे गए है जिससे उद्यमियों को अन्य राज्यों की तुलना में यहां उद्योग लगाने पर लाभ मिल सके। सरकार का पूरा ध्यान जम्मू-कश्मीर में भारी निवेश को प्रोत्साहित करने पर है और उम्मीद है कि नई उद्योग नीति इसमें फायदेमंद साबित होगी। जम्मू-कश्मीर को औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रयास तेज कर दिए है। बाहरी राज्यों के निवेशकों व स्थानीय उद्योगपतियों के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। इसके लिए सरकार ने जम्मू-कश्मीर में 57 हजार एकड़ जमीन उद्योग व वाणिज्य विभाग के सुपुर्द कर दी है। इसमें 15 हजार एकड़ जमीन कश्मीर संभाग व 42,500 एकड़ जमीन जम्मू संभाग में औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए निर्धारित की गई है।

बेटियों के लिए मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड आया आगे

कानपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड ने नए साल के मौके पर महिलाओं के अधिकार में एक बड़ा अभियान चलाया है। यह अभियान 'हक-ए-मेहर अदा कीजिए' है। इस अभियान को लेकर बोर्ड ने कहा है कि शौहर अपनी बीवियों को मेहर जरूर अदा करें। इसे उधार न करें। माफ कराने की नीयत न रखें। अगर दूल्हा इस पर नहीं मानता है तो बेटियां निकाह कुबूल करने से मना कर सकती हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड की तरफ से पहली बार मेहर की रकम को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। बोर्ड अपनी वेबसाइट और यूट्यूब चैनल के जरिए इस अभियान को आगे बढ़ा रहा है। बता दें कि मेहर वह रकम होती है जो निकाह के समय दूल्हा-दुल्हन दोनों पक्षों की रजामंदी से तय की जाती है। शौहर की तरफ से यह रकम बीवी को सोना, चांदी या कैश के रूप में देनी होती है। महिलाओं के लिए यह एक तरह की आर्थिक सुरक्षा होती है। इसका मकसद यह होता है कि अगर किसी सूरत में दोनों के बीच में तलाक हो जाए तो महिला के पास कुछ आर्थिक सुरक्षा रहे, जिससे उसे दर-दर न भटकना न पड़े। मेहर की रकम को लेकर सख्त चेतावनी के बाद भी मुस्लिम समाज में इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। सुन्नी उलमा काउंसिल ने इसे लेकर सर्वे किया है। सर्वे के अनुसार 90-95 फीसदी लोग मेहर उधार या माफी कराने की मंशा रखते हैं। ऐसे में ऑल इंडिया मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड की तरफ से मेहर को लेकर एक बड़ी पहल है। मुस्लिम समाज में निकाह एक अनुबंध है, इसमें मेहर (किसी भी रूप में पत्नी को मिलने वाली निश्चित रकम) अनिवार्य है। मेहर दो प्रकार का होता है। मेहर-ए-मोअज्जल, मेहर-ए-मुवज्जल। मेहर-ए-मोअज्जल में निकाह के बाद तुरंत धनराशि देनी होती है, नहीं देने पर लड़की विदाई से मना कर सकती है। वहीं मेहर-ए-मुवज्जल में पूर्व में तय शर्त के समय पर मेहर देना होता है, इसमें धनराशि अधिक तक की जाती है।

थाने में मजाक बन गए कॉमेडियन रातभर ठिठुरे, दोपहर को जेल गए

इंदौर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कॉमेडी शो में हिंदू देवी देवताओं का मजाक उड़ाने वाले स्टैंडअप कॉमेडियन रात तुकोगंज थाने में मजाक बन गए। पुलिस के सामने हाथ जोड़कर खड़े रहे और गिड़गिड़ाने लगे। उन्हें हवालात में डाला तो ठिठुरते हुए रात बिताई। शनिवार दोपहर पुलिस ने कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस थाना ले जाते समय कोर्ट के बाहर स्टैंडअप कॉमेडियन की लोगों ने पिटाई भी की। तुकोगंज थाना पुलिस के मुताबिक पूर्व महापौर मालिनी गौड़ के बेटे एकलव्यसिंह निवासी लोधीपुरा की शिकायत पर देर रात आरोपित एडविन एंथॉन निवासी विज्ञान नगर, प्रखर व्यास निवासी गिरधर नगर, प्रियम व्यास निवासी गिरधर नगर, नलिन यादव निवासी छत्रछाया नगर और मुन्नवर फारुकी निवासी जूनागढ़ गुजरात के खिलाफ धारा 295 ए, 298, 269,188 और 34 के तहत केस दर्ज किया। आरोपितों पर हिंदू देवी देवताओं का मजाक उड़ाने और धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है। पुलिस ने चारों आरोपितों को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया। दरअसल शुक्रवार रात आरोपित 56 दुकान स्थित मुनरो कैफे में कॉमेडी शो करने आए थे। शो एडविन एंथॉनी द्वारा आयोजित किया गया था। हिंदूवादियों को सूचना मिली थी कि मुन्नवर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कार सेवकों और हिंदू देवी देवताओं को लेकर भद्दी बातें करता है। हिंदूवादियों ने शो की टिकट खरीदी और दर्शक बनकर शो देखने पहुंच गए। जैसे ही आरोपित कॉमेडियन ने भद्दी कॉमेडी की हिंदूवादियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। शो देखने आए लोगों को शांति से बाहर निकाला और चारों कॉमेडियन, ऑर्गेनाइजर को पकड़ लिया। देर रात उनके खिलाफ केस दर्ज करवाया और थाने के सुपुर्द कर दिया।

कड़ाके की ठंड में सड़कों पर डटे बुजुर्ग किसान

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए कृषि कानूनों के विरोध में सड़कों पर डटे किसानों में कई बुजुर्ग किसान भी हैं। सर्दी शुरू हो चुकी है, जिस कारण इन किसानों के परिजनों को उनकी सेहत की चिंता सता रही है। महिलाएं और बच्चे सुबह से लेकर रात तक कई-कई बार फोन कर अपने पतियों, पिता, दादा और परदादा का कुशलक्षेम पूछ रहे हैं। बहादुरगढ़ में सोमवार को पंजाब के एक किसान की हृदयाघात से मौत के बाद किसानों के परिजनों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। वहीं धरने पर डटे किसानों का कहना है कि वे अपना हक लेने के लिए अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ेंगे। भारतीय किसान यूनियन के नेता मलकीत सिंह, बलजिंदर सिंह और जय सिंह जंजेहड़ा ने बताया कि सिंघु, टिकरी और कुंडली बॉर्डर पर पहुंचने के लिए किसानों को बीते दिनों कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें पुलिस की पानी की बौछारें भी झेलनी पड़ीं। इन किसानों में कई किसान बुजुर्ग हैं, इसलिए उनके परिजन को उनकी सेहत बिगड़ने का डर बना हुआ है। कुछ की सेहत नासाज हुई थी, जो अब ठीक है। स्वयंसेवी संस्थाओं के डॉक्टर बुजुर्ग किसानों के स्वास्थ्य की लगातार जांच कर रहे हैं। किसान नेता अमरजीत मोहड़ी और कृष्ण कुमार का कहना है कि कड़ाके की ठंड पड़े, बारिश हो या लाठियां खानी पड़ें, किसान जान की परवाह किए बिना मोर्चा संभाल रहे हैं। ठंड से बचने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर तिरपाल बांधे गए हैं। बाहर निकलने पर ठंड न लगे, उससे बचाव के लिए गर्म शॉल भी ओढ़ रहे हैं। हालांकि हृदयाघात से एक किसान की मौत होने पर सबके घर वाले चिंतित हैं। हरपाल सुंदर, सोहन सिंह व राम कुमार कहते हैं कि परिजनों की चिंता वाजिब है। इतनी ठंड में किसी की भी सेहत खराब हो सकती है। हम खुद को सर्दी से बचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। लड़ाई बड़ी है, इसलिए जान की बाजी लगाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। इंटरनेट बहुत धीमा, किसान नहीं ले पा रहे ताजा जानकारी भारतीय किसान यूनियन के प्रेस प्रवक्ता राकेश बैंस ने बताया कि कुंडली बॉर्डर पर किसानों के धरना स्थल व आसपास इंटरनेट की स्पीड बहुत धीमी है।

उत्तराखंड से होगी देश में पशुपालकों के लिए शुरू हो रही ई वाउचर योजना की शुरुआत

रुड़की, 3 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से पशुपालकों के लिए लाई जा रही ई वाउचर योजना की शुरुआत उत्तराखंड से होगी। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर देहरादून और हरिद्वार जिले को चुना गया है। बताया जा रहा है कि कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में उत्तराखंड में हुए बेहतर कार्य के चलते ही राज्य का चयन हुआ है। इस योजना से पशुपालकों को कई सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। पांच जनवरी को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ रहा है। केंद्रीय पशुपालन विभाग की ओर से देश के पशुपालकों के लिए ई वाउचर योजना लागू होने वाली है। इसके तहत पशुपालकों को ई वाउचर दिए जाएंगे। इसमें केंद्र सरकार की ओर एक निश्चित धनराशि डाली जाएगी। पशुपालक पशुओं का इलाज, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान में लगने वाला खर्च इसी ई वाउचर के माध्यम से करेंगे। ई वाउचर से पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी जोड़ी जाएंगी। उत्तराखंड पशुपाल विभाग के निदेशक डॉ. केके जोशी ने बताया कि देश में इस योजना की शुरुआत के लिए उत्तराखंड का चयन किया गया है। केंद्र की टीम पांच जनवरी से तीन दिवसीय दौरा करेगी और दोनों जिले के किसानों से बातचीत कर फीडबैक भी लेगी। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर सुझाव लिए जाएंगे। खास बात यह है कि ई वाउचर केवल उन्हीं पशुपालकों को मिलेगा, जिन्होंने अपने पशुओं के कान में लेजर प्रिंटेड पॉली यूरेफेन ईयर टैग लगा रखा है। पशुपालन विभाग ने हाल ही में हरिद्वार जिले में करीब ढाई लाख पशुओं को ईयर टैग लगाया है। इस ईयर टैग में 12 अंकों का बार कोड है।

■ आज अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 व 13 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम व न्यूनतम आर्द्रता 71% तथा 72% रही। बारिश नहीं हुई।

सूर्योदय : 6.17 सूर्यास्त : 5.06 बजे

शोक समाचार

श्रीमती राजकुमारी चांडक, का 2 जनवरी को। **श्रीमती सरिता जैन,** ए5, वृंदावन गार्डेन, 98, क्रिस्टोफर रोड, कोलकाता का 2 जनवरी को। **श्री बल्लभ सिंह बैद** का 1 जनवरी को। **श्रीमती सीता देवी पाडिया** का 26 दिसंबर को। **श्रीमती लक्ष्मी देवी डागा** का 2 जनवरी को। **श्रीमती लीला देवी गौरीसरिया** 1 जनवरी को।

परलोक गमन कर चुके हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि बिछड़ी आत्मा को अपने हृदय में स्थान दें और परिवार को इस अपार दुःख सहने की शक्ति दें।

उप्र के उप मुख्यमंत्री गांगुली से मुलाकात करने अस्पताल पहुंचे

कोलकाता,3 जनवरी (निप्र)। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पीएम मोदी तक को सौरभ गांगुली के स्वास्थ्य की चिंता है और देश की तमाम हस्तियां गांगुली के स्वास्थ्य को लेकर खबर लें रहें हैं। इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी दक्षिण कोलकाता स्थित वुडलैंड अस्पताल आये व दादा से भेंट की व उनके सेहत की जानकारी ली। बहरहाल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के अध्यक्ष और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के प्रसंशको के लिए अच्छी खबर है।

उडलैंड्स में भर्ती सौरभ गांगुली को देखने पहुंचे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मीडिया से बातें करते हुए। विश्वमित्र

पश्चिम बंगाल की मुख्य खबरें

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। आज पश्चिम बंगाल की मुख्य खबरें इस प्रकार रहीं :-

- बेलगछिया मिल्क कॉलोनी में एक ट्रक पर छापा मारकर STF ने 2 किलो हेरोईन, याबा की 2 लाख 32 हजार टेबलेट सहित 22 करोड़ के अवैध मादक पदार्थ पकड़े, 2 असमी नागरिक गिरफ्तार
- TMC ने करवाई आन्तरिक समीक्षाः 52 प्रतिशत वोट एवं 190-210 सीटें जीतने की जताई उम्मीदः इगझ ने आन्तरिक समीक्षा में 150-160 जीतने की सम्भावना जताईः विधानसभा में हैं कुल 294 सीटें
- शोभन-वैशाखी के बहुप्रचारित अलीपुर रोड शो को पुलिस प्रशासन ने नहीं दी अनुमति, बताया-काम के दिन जाम बढ़ जाएगा
- प्रधानमंत्री मोदी ने अस्पताल में भर्ती सौरभ गांगुली और उनकी पत्नी डोना से फोन पर बात की, पूछा हाल, कल मिलने आएंगे अमित शाह के पुत्र जय शाह और अनुराग ठाकुर
- 16-17 सांसदों के पालाबदल कर भाजपा में जाने के BJP MP सुनील मंडल के दावे से TMC में मचा हड़कम्प
- शोभन की परित्यक्ता पत्नी रत्ना ने किया कटाक्षः वे जब तक फ्लैट से निकलकर भाजपा की गाड़ी में बैठ न जाएं, विश्वास नहीं कर सकती, इतने दिन तो नौटंकी ही करते रहे मुझे ये नहीं मिला, वैशाखी को वो नहीं मिला
- सिलीगुड़ी के माकपा नेता अशोक भट्टाचार्य को सौरभ की बीमारी में दिखी राजनीतिः बोले उन्हें अपनी दुनिया में ही रहने देना चाहिए, राजनैतिक दबाव से BP बढ़ जाती है, पिछले दिनों वे काफी 'दबाव' में रहे होंगे
- वन मंत्री राजीव बनर्जी का वीडियो वायरलः कहा-तृणमूल नेता कार्यकर्ताओं का सिर्फ इस्तेमाल करते हैं, अबकी कार्यकर्ता ही नेताओं को देंगे सटीक जवाब
- मंत्री राजीव बनर्जी की गाड़ी को कसबा में मेटाडोर ने मारी टक्कर, वाहन क्षतिग्रस्त, मंत्री सुरक्षित, मेटाडोर ड्राइवर गिरफ्तार
- कल शोभन-वैशाखी का रोडशो, आज शोभन निवास पर कोलकाता जोन कोर कमिटी की बैठक, शीघ्र शामिल होंगे कई तृणमूल पार्षद (कोऑर्डिनेटर) और वैशाखी के परिचित शिक्षक-शिक्षिकाएं
- कांग्रेस-वाम ने लिया फरवरी में ब्रिगेड में जनसभा करने का फैसला
- सांसद सुनील मंडल का सनसनीखेज आरोपः तृणमूल बना रही जान से मारने की योजना, दावा किया-16 से 17 तृणमूल सांसद जल्द भाजपा में होंगे शामिल, इसी महीने अल्पमत में आ जाएगी ममता सरकार
- हुगली हरिपाल के तृणमूल विधायक बेचाराम मान्ना के चचेरे भाई भाजपा में शामिल, मान्ना बोले- उनसे मेरा कोई रिश्ता नहीं
- कांथी में शुभेन्दु के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, उत्साहित नागरिक लगा रहे 'जयश्री राम' और 'बीजेपी घरे-घरे के नारे'
- नारकेलडांगा में अवैध निर्माण करने वाले 3 प्रमोटरों की तीन साल की कैद, अवैध निर्माण ढहाने का निर्देश
- पार्किंग को लेकर उल्टाडांगा में अपनी ही पार्टी के मंत्री साधन पाण्डे से भिड़े तृणमूल के निवर्तमान पार्षद
- अस्पताल में भर्ती सौरभ गांगुली को देखने कल पहुंच रहे हैं डा. देवी शेट्टी
- EM बाईपास में देर रात शटल टैक्सी में अधेड़ उम्र के आदमी से 25 हजार और सोने की चैन छीनी, कार्ड छीनकर ATM से भी निकाले 40 हजार, CCTV से हुई बदमाशों की शिनाख्त, पकड़े गए चार
- चुनाव के बाद अलीपुर सेंट्रल जेल होगा टीएमसी का पार्टी कार्यालयः बाबुल सुप्रियो
- गंगासागर मेले के लिए सागर में चल रही पुरजोर तैयारियां, लेकिन इस बार तीर्थयात्रियों की संख्या काफी रहने की सम्भावना
- लंदन से कोलकाता आए 20 लापता यात्री बने पुलिस का सिरदर्द, ठिकाना और मोबाइल नंबर भी गलत दिया
- कोलकाता निगम की नई पहलः बस्तियों में टाली और टीन के घरों की छत सीमेंटेड कराने की मिलेगी अनुमति, फीस मात्र 100
- AIMIM नेता असदुद्दीन ओवेशी ने कोलकाता में फुरफुरा शरीफ मौलानाओं संग की राजनैतिक बैठक, भाजपा की बढ़त के लिए TMC को ठहराया जिम्मेदार
- स्वास्थ्य साथी कार्ड से 21 दिनों में 1,297 लोगों को मिला 2 करोड़ से अधिक का चिकित्सा-लाभ

ओवैसी ने बोला तृणमूल पर जुबानी हमला

हुगली/कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। बिहार चुनाव में सफलता हासिल करने के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) चीफ असदुद्दीन ओवैसी आज हुगली जिले के फुरफुरा शरीफ पहुंचे। वहां मुस्लिम धर्मगुरु पीरजादा तोहा सिद्दीकी के बेटे अब्बास सिद्दीकी से मुलाकात की। ओवैसी ने तृणमूल सुप्रीमो व बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधा। बता दें कि टीएमसी ओवैसी पर बीजेपी को मदद देने का आरोप लगाती रही है और उन्हें बीजेपी की 'बी' टीम करार दे रही है। सुबह वह हैदराबाद से विमान से कोलकाता पहुंचे। कोलकाता पहुंचने के साथ ही वह सीधे हुगली के फुरफुरा शरीफ में पीर की दरगाह पर पहुंचे। वहां दुआएं मांगीं और वहां फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दिकी के साथ मुलाकात और बैठक की और बंगाल की स्थिति को समझने की कोशिश की। उसके बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए औवैसी ने कहा, एआईएमआईएम एक राजनीतिक पार्टी है। हम पार्टी को स्थापित करेंगे और चुनाव लड़ेंगे। अब्बास सिद्दिकी बड़े हैं, वह जो बताएंगे। उनके अनुसार काम करेंगे। अब्बास सिद्दिकी को हम बड़ा मानते हैं। उनके साथ मिल कर काम करेंगे। ओवैसी के संकेत के अनुसार अब्बास सिद्दिकी बंगाल में उनकी पार्टी का चेहरा होंगे। एआईएमआईएम पर बीजेपी की 'बी' टीम होने के आरोप पर औवैसी ने कहा, मैं टीएमसी को चैलेंज कर रहा हूं। यह सच नहीं है। जब गुजरात जल रहा था, तो उस समय ममता कहां थीं? हमने बंगाल में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था, तो फिर बीजेपी 18 सीटों पर कैसे जीत गई, क्या बीजेपी के साथ समझौता हो गया था।?उन्होंने कहा, बिहार इसका प्रमाण है। हमने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पांच सीटों पर जीत हासिल किए। नौ पर गंठबंधन जीता और 6 पर एनडीए ने जीत हासिल की। छह सीट बीजेपी कैसे जीत गई और वहां बीजेपी की कैसी सरकार बन गई। यह इलजाम झूठ है। आप बीजेपी को रोक नहीं पा रही हैं। इतना लोग पार्टी से भाग रहे हैं और मेरे पर सवाल किए जा रहे हैं। बता दें कि बंगाल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव है। इस चुनाव को लेकर एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने अब अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बहरहाल फुरफुरा शरीफ का सिद्दीकी परिवार भी पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक वोटों को प्रभावित करता है। इसलिए राजनीतिक विश्लेषक असदुद्दीन ओवैसी और अब्बास सिद्दीकी के मुलाकात को पश्चिम बंगाल की राजनीति में बेहद अहम बता रहे हैं।

गार्डेनरीच से 90 कारतूस के साथ हथियार तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। विधानसभा चुनाव में विरोधी राजनीतिक दल लगातार हिंसा की आशंका जता रहे हैं और अब कोलकाता पुलिस के खुफिया विभाग ने आज महानगर से लगभग 90 राउंड गोलियां बरामद कीं. यह पता चला है कि एक गिरोह को दिए जाने के लिए हथियारों को शहर में लाया गया था, लेकिन उससे पहले ही कोलकाता पुलिस के जवानों ने हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया.शनिवार दोपहर को खुफिया जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इंटाली इलाके में सैयद अहमद रोड से 22 शक्तिशाली ताजा बम बरामद किया था. कोलकाता पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आज गार्डेनरीच थाना क्षेत्र के दिनू मिस्त्री बागान व पहाड़पुर रोड का क्रासिंग के पास एक घर की तलाशी के दौरान फियर्स लेन निवासी मोहम्मद इस्तियाक को गिरफ्तार किया गया था. इस्तियाक से पूछताछ के बाद 8 मिमी की 90 गोलियों मिली.पुलिस का दावा है कि बुलेट को देख कर ऐसा लगता है कि इनका इस्तेमाल बड़ी बंदूक के लिए किया जाना था. बुलेट पर केएफ लिखा हुआ है. बुलेट की संरचना को देखकर पुलिस का दावा है कि किसी सरकारी हथियार कारखाने से बुलेट की तस्करी नहीं की गई थी. गोलियां मुंगेर में बनने वाले अवैध हथियार के कारखाने से लाई गई है. पुलिस को आशंका है कि चुनाव के पहले हथियारों को एकत्रित किया जा रहा है, ताकि हिंसा का अंजाम दिया जा सके. दक्षिण 24 परगना में कुछ बदमाशों द्वारा इस तरह की गोली का इस्तेमाल पहले किया जा चुका है.बहरहाल गिरफ्तार पर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज कर लिया गया है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतनी बड़ी संख्या में कारतूस लेकर कहां जा रहा था और कहां से खरीदकर किसे सप्लाई करने वाला था।

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
प्रधान कार्यालय - II, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
3 और 4, डी डी ब्लॉक, सेक्टर -I, साल्ट लेक, कोलकाता - 700064

निविदा की सूचना

यूको बैंक निम्नलिखित मद के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) आमंत्रित करता है:–
1. वायर्ड/आर एफ तथा 4जी/5जी (सिंगल सिम आधारित) पर एमपीएलएस लिंक की आपूर्ति, स्थापना, रखरखाव और प्रबंधन
किसी भी विवरण के लिए कृपया https://www.ucobank.com वेबसाइट देखें।
दिनांक :04.01.2021 उप महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बीपीआर एवं बीटीडी)
सम्मान आपके विश्वास का

STAGE & LIVE on Facebook page of SANGIT KALA MANDIR
बाल व्यास डॉ. मनोजमोहनजी शास्त्री
द्वारा **श्री मद्भागवत महापुराण** पर पंच दिवसीय प्रवचन
बुधवार दि. ६ जनवरी २०२१ से रविवार दि. १० जनवरी २०२१
समय : प्रतिदिन सायं ६ से ७ बजे तक
प्रसंग : कलिकाल मे पाण्डव कुलभूषण परीक्षित की भूमिका
स्थान : कलाकुंज, ४८, शेक्सपियर सरणी, कोल-१७, फोन : २२८७९०८६
संगीत कला मंदिर | श्रद्धालु श्रोताओं का स्वागत है | संगीत कला मंदिर ट्रस्ट

राज्य की स्वास्थ्य सेवा में एक नई उपलब्धि
अब उत्तर बंगाल के लोगों के लिए भी अत्याधुनिक ट्रॉमा केयर की सुविधा
उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में आधुनिक संरचनाओं और उन्नत चिसित्सा सुविधाओं के साथ **लेवल-टू ट्रॉमा केयर यूनिट** की शुरुआत होगी
शुभ उद्घाटन करेंगी
माननीया मुख्यमंत्री
ममता बैनर्जी

इस ट्रॉमा केयर यूनिट की विशेषता
- 20 बेड
- ऑर्थोपेडिक और न्यूरो सर्जरी की सुविधा के साथ 2 ऑपरेशन थियेटर
- 10 बेड का रिकवरी रूम

तारीखः 4 जनवरी, 2021 । **स्थानः** नबान्न सभागार, रिमोट के माध्यम से । **समयः** शाम 4:30 बजे
ICA-03(19)/2021
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

नेत्र चिकित्सा में नई रोशनी की दिशा
চোখের আলো
माननीया मुख्यमंत्री
ममता बैनर्जी
की प्रेरणा से
पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की एक अनोखी पहल
'चोखेर आलो'

इस योजना का मुख्य उद्देश्यः
- बुजुर्गों का मोतियाबिंद ऑपरेशन
- नवजात से लेकर बुजुर्ग, सबकी आँखों की चिकित्सा और अंधेपन का प्रतिरोध

मुख्य कार्यक्रम
- पूरे राज्य में बुजुर्गों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन और चश्मा दिया जाएगा।
- सरकारी विद्यालयों में सभी छात्र-छात्राओं का निःशुल्क नेत्र परीक्षण और चश्मा दिया जाएगा।
- सरकारी पूर्व प्राथमिक स्तर के (आंगनवाड़ी) सभी छात्र-छात्रओं में असमय रेटीना क्षय का प्रतिरोध।
- आँखों के रोगों के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए एक डिजिटल डेटाबेस तैयार करना।

विशेष रूप से उल्लेखनीय
पहले चरण में 5 जनवरी, 2021 से 1200 ग्राम पंचायत एवं शहर के 120 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में यह योजना शुरू की जाएगी एवं अगले 2 चरणों में शेष ग्राम पंचायत और शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो को इस योजना के अधीन लाया जाएगा।
- 390 से अधिक एम.टी. (ऑप्टोमेट्री) एवं 300 से भी अधिक सर्जन इस योजना के साथ जुड़े रहेंगे।
- इस पहल में राज्य के 63 एनजीओ शामिल होंगे।

तारीखः 4 जनवरी, 2021 | स्थानः नबान्न सभाघर | समयः शाम 4:30 बजे
ICA-04(19)/2021
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

● भारतीय महिला हॉकी टीम कप्तानी रानी रामपाल के नेतृत्व में अर्जेंटीना दौरे के लिए आज रवाना हो गयी। महिला टीम का करीब एक साल के अंतराल के बाद यह पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा है। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में लगे लॉकडाउन की वजह से खेल गतिविधियां ठप्प होने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम का यह पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा है।

खेल

● वर्ष 2021 के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन से हट चुके 20 ग्रैंड स्लेम खिताबों के विजेता स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के लिए 2021 के परिणाम उनके करियर को तय करेंगे। फेडरर 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में सेमीफाइनल में हारे थे जो पिछले वर्ष उनका आखिरी प्रतियोगी मैच था

दैनिक विश्वमित्र
● कोलकाता
सोमवार
4 जनवरी, 2021

संक्षिप्त में

सिडनी में लगातार दो टेस्ट खेलने के पक्ष में नहीं: वेड

मेलबोर्न, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम एक तरफ जहां कड़े प्रतिबंधों के कारण चौथे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन जाने से कतरा रही है, वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम सिडनी में लगातार दो टेस्ट खेलने के पक्ष में नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जनवरी से सिडनी में तीसरा टेस्ट खेला जाना है जबकि दोनों टीमों के बीच चौथा और अंतिम टेस्ट मैच 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। लेकिन कोरोना के कारण ब्रिस्बेन में संभवत कड़े प्रतिबंधों के कारण टीम इंडिया ने वहां जाने से मना कर दिया है। वेड ने कहा, मैंने इस बारे में नहीं सुना है लेकिन जाहिर है कि हम सिडनी में लगातार दो मैच खेलने के पक्ष में नहीं है। सीरीज का कार्यक्रम पहले से ही तय था और हम इसके अनुसार ही चलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसके अनुसार ही चलना चाहेगी।

अजहर शतक से चूके, जैमिसन ने लगाया पंजा

क्राइस्टचर्च, 3 जनवरी (एजेंसियां)। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अजहर अली (93) न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन आज शतक बनाने से चूक गए लेकिन उनकी इस शानदार पारी की बदौलत पाकिस्तान ने पहली पारी में 297 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया। न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की और 69 रन पर पांच विकेट निकाले। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और टिम साउदी ने सलामी बल्लेबाज शान मसूद को खाता खोले बिना पगबाधा आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। शुरुआती झटका लगने के बाद आबिद अली ने अजहर के साथ पारी को आगे बढ़ाया और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी हुई।

मोमोता कोरोना से संक्रमित, पूरी टीम थाईलैंड ओपन से हटी

टोक्यो, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोता रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं जिसके बाद पूरी जापानी टीम इस महीने होने वाले थाईलैंड ओपन टूर्नामेंटों से हट गयी है। जापान बैडमिंटन संघ ने बताया कि मोमोता के कोरोना संक्रमित होने के बाद जापानी खिलाड़ी इस महीने होने वाले योनेक्स थाईलैंड ओपन (12-17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19-24 जनवरी) में नहीं खेलेंगे। मोमोता का जापान टीम के अन्य सदस्यों के साथ थाईलैंड रवाना होने से पहले नरिता हवाई अड्डे पर टेस्ट किया गया था जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली का द्रुत आरोग्य कामना के लिए विश्व शांति क्लब, खिदिरपुर द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरुण मुखर्जी, राजू तिवारी, रोहित गुप्ता, कृष्ण प्रसाद एवं अन्य उपस्थित थे। विश्वमित्र

भारत का आस्ट्रेलिया दौरा : 3रा टेस्ट पूर्वावलोकन

भारत को 43 वर्षों में सिडनी में पहली जीत का इंतजार

सिडनी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट सात जनवरी से सिडनी में होने जा रहा है और भारत को सिडनी मैदान पर पिछले 43 वर्षों में पहली जीत का इंतजार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें चार मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी पर हैं और दोनों टीमें सिडनी के मुकाबले में बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेंगी। भारत ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र बार जनवरी 1978 में हराया था जब बिशन सिंह बेदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बॉब सिम्पसन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को पारी और दो रन से पराजित किया था। उसके बाद से भारत इस मैदान पर कोई मुकाबला नहीं जीत पाया है। यह दिलचस्प है कि भारत ने 1978 में जब जीत हासिल की थी तो सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरु हुआ था और इस बार भी सीरीज का सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरु हो रहा है। इस मैदान पर दोनों टीमों के इतिहास में इन दो टेस्टों को छोड़कर अन्य कोई मुकाबला सात जनवरी से शुरू नहीं हुआ है। सिडनी में टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत 1882 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबले से हुई थी। भारत ने सिडनी में अपना पहला टेस्ट 1947 में आजादी हासिल करने के बाद दिसंबर में खेला था। यह मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद भारत ने सिडनी में दूसरा मुकाबला जनवरी 1968 में खेला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 144 रन से जीता। इसके 10 साल बाद 1978 में सिडनी में खेले गए मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी और दो रन से हराया। जनवरी 1981 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पारी और चार रन से पराजित किया। जनवरी 1986 में दोनों टीमों के बीच का मुकाबला ड्रॉ रहा। जनवरी 1992 का मुकाबला भी ड्रॉ समाप्त हुआ। जनवरी 2000 के टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पारी और 141 रन से हराया। जनवरी 2004 में खेला गया ड्रॉ समाप्त हुआ। लेकिन जनवरी 2008 में ऑस्ट्रेलिया ने 122 रन से मुकाबला जीता। जनवरी 2012 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पारी और 68 रन से हराया। जनवरी 2015 का मुकाबला ड्रॉ समाप्त हुआ। 2018-19 के पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे में भारत के पास जीतने का अच्छा मौका था लेकिन खराब रोशनी और आखिरी दिन की बारिश ने भारत के हाथ से यह मौका छीन लिया। भारत ने चेतेश्वर पुजारा के 193 और रिषभ पंत के नाबाद 159 रन की बदौलत अपनी पहली पारी सात विकेट पर 622 रन बनाकर घोषित की। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 300 रन पर सिमटी। ऑस्ट्रेलिया ने फालोआन के बाद चौथे दिन दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए छह रन बनाए थे कि खराब रोशनी के कारण आखिरी सत्र का खेल संभव नहीं हो पाया। पांचवें दिन बारिश ने पूरे दिन का खेल धो डाला और मैच ड्रॉ समाप्त हुआ। यह सीरीज का चौथा मैच था और भारत ने 2-1 से सीरीज अपने नाम की। पुजारा मैन ऑफ द मैच के साथ-साथ मैन ऑफ द सीरीज भी बने।

संघर्षरत हैदराबाद का फायदा उठाना चाहेगी चेन्नइयन

पणजी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। चेन्नइयन एफसी और हैदराबाद एफसी हीरो इंडियन सुपर (आईएसएल) के सातवें सीजन में अंकतालिका में टॉप छह में पहुंचने की उम्मीदों के साथ नए साल में प्रवेश कर चुकी हैं जहां अब सोमवार को बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में दोनों टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इस सीजन में दोनों ही टीमें अब तक संघर्ष करती हुई दिखाई दी हैं। लेकिन चेन्नइयन ने इस सीजन में अधिक मौके बनाए हैं और विपक्षी टीम के लिए खतरे की घंटी बजाई है। कोच कसाबा लाजलो की टीम ने 93 मौके बनाए हैं, जो आईएसएल-7 में किसी भी टीम का सबसे ज्यादा है। टीम ने साथ ही प्रति मैच औसतन 14.6 शॉट लिए हैं। लेकिन टीम ने अब तक आठ मैच खेले हैं और इनमें उनका गोल कनवर्जन रेट दूसरा सबसे खराब है। स्ट्राइकर जैकब सिल्वेस्टर और लालियांजुआला चांग्टे मौके बनाने में विफल रहे हैं। कोच का मानना है कि उनकी टीम को एकजुट होकर गोल करने की जरूरत है।

ओडिशा को हराकर ईस्ट बंगाल ने दर्ज की सीजन की पहली जीत

वास्को, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पहले हाफ में किए गए शानदार दो गोलों की मदद से एससी ईस्ट बंगाल ने ओडिशा एफसी को हराकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। ईस्ट बंगाल ने वॉस्को के तिलक मैदान स्टेडियम में ओडिशा को 3-1 से हराया। पहला हाफ पूरी तरह से एससी ईस्ट बंगाल के पक्ष में रहा। टीम ने इस हाफ में शानदार दो गोल करके 2-0 की बढ़त बनाई। पहला गोल एंथनी पिल्किंगटन ने और दूसरा गोल जैक्स मगोमा ने किया। दूसरे हाफ में ईस्ट बंगाल के लिए तीसरा गोल अपना पदार्पण मैच खेलने उतरे सब्स्टीटयूट ब्राइट एनोबखारे ने दागा। ओडिशा के लिए उसका एकमात्र गोल डिएगो मौरिसियो ने 90वें मिनट में किया। ईस्ट बंगाल की आठ मैचों में यह पहली जीत है। टीम अब छह अंकों के साथ तालिका में 10वें नंबर पर है। उसे अभी तक चार मैचों में हार मिली है जबकि उसने तीन ड्रॉ भी खेले हैं। ओडिशा को आठ मैचों के बाद अब भी अपनी पहली जीत की तलाश है। टीम की यह छठी हार थी और वह दो अंकों के साथ सबसे नीचें 11वें नंबर पर है। मैच के तीसरे मिनट में ही ईस्ट बंगाल के मिलन सिंह को मैच का पहला येलो कार्ड दिखाया गया। लेकिन रॉबी फॉलर की टीम का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और टीम ने 12वें मिनट में ही अपना खाता खोल लिया। ईस्ट बंगाल के लिए यह गोल मिडफील्डर पिल्किंगटन ने कप्तान डेनियल फॉक्स से पास पर हेडर के जरिए किया। पिल्किंगटन का आईएसएल में यह पहला गोल है। इसके बाद ओडिशा के खिलाड़ी 17वें और 19वें मिनट में ईस्ट बंगाल के गोलकीपर को छका नहीं पाए। लेकिन ईस्ट बंगाल ने अपना आक्रमण जारी रखा और टीम ने 39वें मिनट में एक और बेहतरीन गोल के जरिए मैच में 2-0 की शानदार बढ़त बना ली। ईस्ट बंगाल के लिए यह गोल उनके एक और मिडफील्डर जैक्स मगोमा ने मैटी स्टीमन के असिस्ट पर दागा। मगोमा का सीजन का यह तीसरा गोल है। दो गोलों की बढ़त लेने के बाद ईस्ट बंगाल ने इस सीजन में पहली बार 2-0 की लीड के साथ पहले हाफ की समाप्ति की। फॉलर की टीम दूसरे हाफ में एक बदलाव के साथ उतरी। वहीं, 62वें मिनट में उसने दूसरा बदलाव किया और मैच का पहला येलो कार्ड पाने वाले फॉरवर्ड मिलन सिंह को बाहर भेजकर मिडफील्डर हरमनप्रीत सिंह को मैदान पर बुलाया।

रहाणे बहादुर और शातिर कप्तान हैं: चैपल

मेलबोर्न, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत को मेलबोर्न में दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट से जीत दिलाने वाले कप्तान अजिंक्या रहाणे के मुरीदों में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल भी शामिल हो गए हैं और उन्होंने रहाणे की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और शातिर कप्तान बताया है। भारत के नियमित कप्तान विराट कोहली के अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौटने के बाद टीम की कप्तान रहाणे के हाथों में हैं। रहाणे के नेतृत्व में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट में आठ विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट सात जनवरी से सिडनी में शुरू होना है। चैपल ने क्रिकइंफो पर अपने कॉलम में कहा, मेलबोर्न में रहाणे के नेतृत्व में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया को हराना मेरे लिए आश्चर्यचकित करने वाला नहीं था। जिसने में 2017 में धर्मशाला में रहाणे को कप्तानी करते देखा होगा वो रहाणे की सराहना करेगा। 2017 के उस मैच तथा मेलबोर्न टेस्ट मैच में काफी समानताएं हैं। उन्होंने कहा, पहली समानता तो यह है कि यह मुकाबला भी दो प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच खेला गया। दूसरा कि इस मुकाबले में भी निचले क्रम के बल्लेबाज रवींद्र जडेजा ने अपना योगदान दिया और अंत में छोटे लक्ष्य का पीछा करते रहाणे ने शानदार पारी खेली। चैपल ने कहा, धर्मशाला में रहाणे ने कप्तान के तौर पर पदार्पण किया था और जब डेविड वार्नर तथा स्टीवन स्मिथ के बीच शतकीय साझेदारी बन रही थी तब उन्होंने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को गेंदबाजी के लिए बुलाया। यह एक साहसिक कदम था और मेरे ख्याल से एक शातिर फैसला था। कुलदीप ने स्लिप में रहाणे के हाथों कैच कराकर वार्नर को आउट किया।

बीते सप्ताह सोने-चांदी की चमक बढ़ी

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशों में पिछले सप्ताह दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी से घरेलू स्तर पर भी सोने-चांदी की चमक बढ़ गई। गत सप्ताह एसीएक्स वायदा बाजार में सोना 171 रुपये की बढ़त के साथ 50,244 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ। सोना मिनी भी 479 रुपये की साप्ताहिक मजबूती के साथ 50,266 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी पीली धातु में तेजी रही। सप्ताहांत पर सोना हाजिर 42.40 डॉलर चमककर 1,898.80 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा 19 डॉलर चढ़कर 1,901.60 डॉलर प्रति औंस बोला गया।

व्यापार

विदेशी मुद्रा भंडार 29 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 25 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 29 करोड़ डॉलर घटकर 580.84 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 18 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 2.56 अरब डॉलर बढ़कर 581.13 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 25 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 25.3 अरब डॉलर घटकर 537.47 अरब डॉलर रह गई। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 30.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 36.71 अरब डॉलर पर आ गया।

जीएसटी को लेकर भी आए कोई योजना

अजीत जैन, प्रबंध निदेशक- मेड्रा फिनवेस्ट एवं वित्तीय सलाहकार

कोलकाता, 3 जनवरी। गुड्स सर्विस टैक्स (जीएसटी) को लेकर शुरुआती दौर में तरह-तरह की बातें उठीं, देशभर में पूरजोर विरोध हुआ, कई संगठनों की ओर से अपने-अपने तरीके से दलीलें पेश की गईं, लेकिन अंतत: यह प्रणाली लागू हो गई। सहमति और असहमति चलती रहती है। यह जरूरी नहीं है कि सरकार के सभी फैसलों का, नीतियों का सभी क्षेत्र से हमेशा स्वागत ही हो। महत्वपूर्ण बात यह है कि देशभर में जीएसटी लागू हो गई है और सभी इसका पालन कर रहे हैं। सरकार ने चरणबद्ध तरीके से जीएसटी के दरों में भी तर्कसंगत कटौतियां भी की हैं। आने वाले समय में कई वस्तुओं पर हो सकता है कि जीएसटी की दरों में और कटौती हो या यह भी हो सकता है कि कुछ वस्तुओं में इसकी दरें बढ़ा भी दी जाएं। यह सब एक सामान्य प्रक्रिया है, जो चलती रहती है। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि टैक्स को लेकर जिस तरह से समय-समय पर विवाद खड़े होते हैं, ठीक उसी तर्ज पर जीएसटी भुगतान को लेकर भी तरह-तरह के विवाद पैदा हो गए हैं। जीएसटी के इन विवादों को दूर करने पर भी केन्द्रीय वित्त मंत्रालय का भी ध्यान होन चाहिए। ऐसा करने से दो फायदे होते हैं। पहला यह फायदा यह है कि उद्यमी-व्यापारी वर्ग को झंझटों से मुक्ति मिल जाती है और दूसरा फायदा सरकार का होता है कि उसके खजाने में एकमुश्त धनराशि आ जाती है। टैक्स विवादों को निपटाने के लिए सरकार ने जिस तरह से 'विश्वास योजना' शुरू की है, ठीक उसी नक्शे कदम पर जीएसटी को लेकर भी गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि टैक्स से जुड़े विवादों को निपटाने में केंद्र सरकार की विवाद से विश्वास योजना काफी कारगर साबित हो रही है। सरकार के साथ कर मुकदमेबाजी में फंसी लगभग 5 लाख संस्थाओं के पांचवे हिस्से ने इस योजना का लाभ उठाया है। इससे लगभग 83,000 करोड़ रुपये की राशि का निपटान करने में मदद मिली है। वित्त मंत्री ने अप्रैल 2020 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए अपने बजट में प्रत्यक्ष करों से संबंधित लंबित विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास (तीत) योजना की घोषणा की थी। यह विभिन्न अपीलीय मंचों पर लंबित लगभग 4.8 लाख अपीलों में फंसे 9.32 लाख करोड़ रुपये निकालने का प्रयास था। वित्त सचिव अजय भूषण पांडे ने एक साक्षात्कार में कहा, लंबित मामलों में से 96,000 ने लगभग 83,000 करोड़ रुपये (विवादित कर) का निपटान करने की योजना का विकल्प चुना है। दिसंबर 2020 में दाखिल होने वाले और करदाताओं की मांगों को पूरा करने वाले तीत एप्लीकेशन में उछाल को देखते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना को 31 जनवरी तक एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत संस्थाओं को अपेक्षित कर का भुगतान करना पड़ता है और मुकदमे बंद हो जाते हैं और दंडात्मक कार्यवाही समाप्त हो जाती है। उन्होंने कहा, इसके तहत, 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर मांगें, जो गलत प्रविष्टियों के कारण उत्पन्न हुई हैं, को साफ किया गया है। एक बार जब कोई संस्था तीत स्कीम में आती है और नियत कर का भुगतान करती है तो फोरम से ब्याज, जुर्माना और अभियोजन वापस ले लिया गया है। सचिव ने कहा, हमने 31 जनवरी तक की तारीख बढ़ा दी है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि बहुत अधिक आंकड़े हासिल किए जाएंगे। ताकि जितने मामले लंबित हैं, वे विवाद से विश्वास योजना के तहत निपट जाएंगे। विवादों को निपटाने का विकल्प निजी क्षेत्र से है।

शेयर बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कोविड-19 महामारी के टीकाकरण में प्रगति से बीते सप्ताह शेयर बाजारों में तेजी का रुख बरकरार रहा और सेंसेक्स तथा निफ्टी लगातार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में कामयाब रहे। आने वाले सप्ताह में भी बाजार में मजबूती का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। सरकार ने कोविड-19 की टीकाकरण का ड्राई रन शुरू कर दिया है। इससे निवेशकों में उम्मीद बंधी है कि अर्थव्यवस्था जल्द पटरी पर लौट आएगी। मजबूत निवेश धारणा के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 895.44 अंक यानी 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 47868.98 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 269.25 अंक यानी 1.96 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त में 14018.50 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सप्ताह के सभी पांच कारोबारी दिन तेजी रही जबकि निफ्टी में गुरुवार को 0.20 अंक की मामूली गिरावट देखी गई तथा शेष चार दिन बढ़त रही। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा लिवाली की। बीएससी का मिडकैप 2.76 प्रतिशत चढ़कर सप्ताहांत पर 18164.48 अंक पर और स्मॉलकैप 3.31 फ़ीसदी की मजबूती के साथ 18261.03 अंक पर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह में सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर हरे निशान में और अन्य नौ के लाल निशान में रहे जबकि ओएनजीसी के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। एफएमसीजी क्षेत्र की आईटीसी में सबसे अधिक 2.32 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। अन्य एफएमसीजी कंपनियों में नेस्ले इंडिया का शेयर 0.32 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि हिंदुस्तान युनिलीवर का शेयर सप्ताह के दौरान 0.26 प्रतिशत लुढ़क गया। आईटी एवं टेक क्षेत्र की टीसीएस ने 2.02 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने 0.47 प्रतिशत, टेक महिंद्रा ने 0.46 प्रतिशत और इंफोसिस ने 0.36 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सेंसेक्स में सर्वाधिक 1.36 फ़ीसदी की साप्ताहिक गिरावट में रहा। एचडीएफसी बैंक में 0.83 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 0.34 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 0.30 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक में 0.06 प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.67 फ़ीसदी, इंडसइंड बैंक का 0.56 फ़ीसदी और एचडीएफसी तथा एक्सिस बैंक के 0.43 फ़ीसदी की बढ़त में बंद हुए। वाहन निर्माता कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.71 प्रतिशत, बजाज ऑटो में 1.03 प्रतिशत और मारुति सुजुकी में 0.55 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

शेयर बाजार समीक्षा

हीरे का भाव

कोलकाता, 3 जनवरी (वा.सं.)। सुश्री शीतल बामलवा (GIA ग्रेजुएट) द्वारा संग्रहीत certified गोल हीरे की कीमत सांकेतिक तथा सैकड़ा रुपयों में है। फैंसी हीरे की कीमत गोल हीरों से कम होती है। कीमतें certified इंस्टीच्यूट की साख, कट, क्लैरिटी, फ्लोरोसेंस, कलर टींज एवं उपलब्धता के आधार पर बदलती रहती है। इस सप्ताह के भाव इस प्रकार हैं :-

Round Shaped Diamond Solitaire				
Shape	Round	1 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	2.65-3.13	2.57-3.04	2.45-2.90	2.33-2.75
J	2.29-2.71	2.21-2.61	2.13-2.52	1.97-2.33
K	1.85-2.18	1.77-2.09	1.69-1.99	1.61-1.90
L	1.69-1.99	1.61-1.90	1.53-1.80	1.41-1.66
Shape	Round	1.5 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	3.29-3.89	3.17-3.75	3.05-3.61	2.93-3.47
J	2.77-3.28	2.69-3.18	2.57-3.04	2.45-2.90
K	2.33-2.75	2.25-2.66	2.13-2.52	1.97-2.33
L	2.01-2.37	1.89-2.23	1.77-2.09	1.69-1.99
Shape	Round	2 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	4.62-5.46	4.42-5.22	4.22-4.98	3.82-4.51
J	3.82-4.51	3.62-4.27	3.41-4.04	3.21-3.80
K	3.09-3.66	2.89-3.42	2.69-3.18	2.49-2.94
L	2.69-3.18	2.49-2.94	2.33-2.75	2.17-2.56
	...www.diaprices.com...			
Shape	Round	3 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	7.03-8.31	6.63-7.83	5.82-6.88	5.22-6.17
J	5.62-6.65	5.22-6.17	4.82-5.70	4.42-5.22
K	4.62-5.46	4.22-4.89	4.02-4.75	3.70-4.37
L	3.62-4.27	3.41-4.04	3.21-3.80	3.05-3.61
Shape	Round	4 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	8.84-10.44	8.44-9.97	7.23-8.55	6.03-7.12
J	6.83-8.07	6.43-7.60	5.82-6.88	5.22-6.17
K	5.82-6.88	5.42-6.41	5.02-5.93	4.42-5.22
L	4.22-4.98	4.02-4.75	3.62-4.27	3.41-4.04
Shape	Round	5 carat	Round	Round
Clarity->	VVS2	VS1	VS2	SI1
Color	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA	IGI/GIA
I	12.05-14.24	11.25-13.29	9.44-11.16	7.83-9.26
J	9.04-10.68	8.64-10.21	8.03-9.50	6.83-8.07
K	7.03-8.31	6.63-7.83	6.23-7.36	5.62-6.65
L	5.42-6.41	5.22-6.17	4.82-5.70	4.42-5.22

EXTENSION OF DUE DATES OF RETURNS – HABIT OR NECESSITY

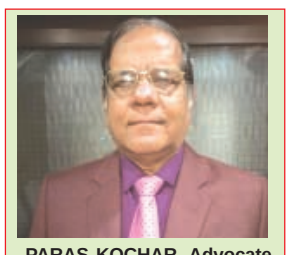

PARAS KOCHAR, Advocate
www.incometaxparaskochar.com

Kolkata.This year there was tremendous hue and cry for extension of various due dates for furnishing of income tax returns and other statutory forms by various association of Tax Professionals and Trade Association and Chambers across the country. The original due date of filing of return was on 31st July/October (depending on non-audit and audit cases), which was extended to 30th November and further extended up to 31st December. In October, Covid 19 was in full force and it was impossible to furnish income tax returns and other statutory forms as in some of the cities, the public transport vehicles including local trains were not operating so staff was unable to come to office. Also offices were closed at 5 to 5.30 PM regularly so working hours were reduced. The clients and tax professionals including their staff were effected from Corona. Even I was hospitalized twice and could not attend office for about two and half months and most of my staff were also found positive. Similar situation was in case of others. Despite huge requests across the country, the Government extended the dates at fag end. Those who were victims of corona were tensed, as there was delay in extending due dates and such tension was not good in post corona period. Corona patient were feeling weakness for months and therefore, were unable to work in full swing. Due to earlier loss of working time and post Covid effects were responsible for non-completion of returns within due time, even after extended period. There were other reasons like heavy cold in some parts of the country. The Government did not realize it and did not extend the due date well in advance. It was extended just few hours before the due date.

It is matter of great concern as to why the right decision was not taken at the right time. The delayed extension and unreasonable extension has made several tax professionals and businessmen unhappy and uncomfortable.

It is true that due to Covid19 the Government should have taken this decision earlier. But in this context, it is to be clarified that since last several years, the due dates of returns is being regularly extended. The main reason for praying for extension in past are clients and professionals not being able to complete the accounts or audit or returns in time. I am in practice since last 41 years and my experience says that the assesses have habit of delaying accounts as they keep their staff busy in other work and the medium or small size auditors either employ less staff or less efficient staff and therefore, there is always delay. Due to every year extension, tax professionals and businessmen have taken it for granted and plan their affairs accordingly. Unless any emergency like a pandemic or natural calamity arises, the Government should not extend the due dates for such bogus reasons. The assesses and the tax professionals, auditors should improve their infrastructure and back office.

Through the column of this reputed daily, I appeal to all the Assesses and Tax Professionals such as Advocates, Chartered Accountants to change their mind set so that they can make timely compliance in future.The assessee should also pay reasonable professional fee to the tax professionals for timely compliance.

प्रस्तावित राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स नीति पर वाणिज्य मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों से मांगी राय

नयी दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्रालय ने अपनी प्रस्तावित राष्ट्रीय साजो सामान (लॉजिस्टिक्स) नीति पर विभिन्न विभागों से राय मांगी है। इस नीति का उद्देश्य साजो सामान की लागत को कम करके निर्माताओं की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। प्रस्तावित नीति विविध मॉडलों वाले संपर्क (मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी) के लिये राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय मास्टरप्लान विकसित करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य एक सार्वभौम राष्ट्रीय प्रचालन तंत्र कानून तैयार करना, क्षेत्र के लिये विस्तृत मानक तैयार करना और ट्रकों को ट्रैक करने वाले समाधान के लिये सूचना प्रौद्योगिकी समाधान (आईटी ऐप) विकसित करना है। इनके अलावा नीति के तहत प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करने के लिये अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करने और पर्यावरण के अनुकूल रसद उपक्रमों व बुनियादी संरचना को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव है।

बैरकपुर पुलिस कमिश्नर श्री मनोज वर्मा सहपत्नीक श्री श्याम मंदिर आलमबाज़ार में श्याम बाबा के दर्शन एवं पूजा अर्चना करते हुए । मंदिर की ओर से उनका अभिनन्दन करते हुए न्यासी गोविन्द मुरारी अग्रवाल।
– विश्वमित्र

ममता ने भतीजे के लिए पार्टी नेताओं को किया नजर अंदाज:शुभेंदु

झाड़ग्राम, 3 जनवरी (निप्र)। टीएमसी से बीजेपी में शामिल हुए सीएम ममता बनर्जी के पूर्व मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने संगीन आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को स्थापित करने के लिए अन्य नेताओं को दरकिनार कर दिया। उन्हें तृणमूल कांग्रेस में प्रताड़ित किया गया था। शुभेंदु अधिकारी रविवार को पश्चिम मेदिनीपुर के झाड़ग्राम के बेलियाबेरा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए ये आरोप लगाये। इस अवसर पर बीजेपी के बंगाल इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने भी संबोधित किया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, टीएमसी एक निजी लिमिटेड कंपनी है। डेढ़ लोगों की पार्टी है, जहां ममता बनर्जी चेयरपर्सन हैं और अभिषेक बनर्जी प्रबंध निदेशक हैं। ममता बनर्जी ने अभिषेक स्थापित करने के लिए नेताओं को दरकिनार कर दिया। टीएमसी से बीजेपी में लगातार लोग शामिल हो रहे हैं। इस संबंध में शुभेंदु ने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। तृणमूल कांग्रेस से कई

और बीजेपी में जल्द ही आएंगे। हजारों बूथ प्रबंधन कार्यकर्ता बीजपी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, मैं पार्टी (बीजेपी) के लिए एक अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। मैं एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में बीजेपी की नीतियों का पालन कर रहा हूं। बीजेपी के साथ 'बुआ-भतीजावाद' को समाप्त करने और राज्य में विकास लाने के लिए सौदा है। इस राज्य में में तृणमूल के शासन की बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने राज्य में एक भी केंद्र सरकार की योजना को लागू नहीं किया है। पिछले 10 वर्षों में पश्चिम बंगाल में कुछ भी नया नहीं हुआ है, जो लोग लोगों के लिए काम करना चाहते हैं उन्हें बीजेपी में शामिल होना होगा और जिनके पास व्यक्तिगत हित हैं वे टीएमसी में बने रहेंगे।उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने योगी आदित्यनाथ और अमित शाह के हेलिकॉप्टर को उतरने से रोक दिया था। बीजेपी उम्मीदवारों को 2019 में परेशान किया गया, लेकिन फिर भी 18 सीटें पार्टी के पास चली गईं। वह जानती हैं कि बेरोजगार युवा और किसान नाराज हैं, इसलिए वह फिर से जीत नहीं सकती हैं। मैं बंगाल और चुनाव आयोग के अर्द्ध सैनिक बलों के लिए सरकार से अपील करता हूं कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए राज्य का नियंत्रण अपने हाथ में लें। हम बंगाल में कमल फूल खिलेंगे। बंगाल में सुशासन आएगा। दिल्ली बंगाल में एक ही दल की सरकार होगी।

देश एवं विदेश की मुख्य खबरें

नयी दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। देश-विदेशकी मुख्य खबरें इस प्रकार रहीं-

● गाजियाबाद: श्मशान घाट का लेंटर गिरने से अबतक 23 की मौत, 20 से ज्यादा गंभीर, कई दबे।

● वैक्सीन पर भारत के फैसले का दुनिया में डंका, थक्ज ने कहा- कोरोना के खिलाफ जंग को मिलेगी मजबूती।

● महीनों बाद बाहर निकलीं रिया चक्रवर्ती, भाई शोविक संग कर रहीं घर की तलाश!।

● किसान आंदोलन में अब तक 14 मौतें: सिंघु और टीकरी पर 4 और किसानों की जान गई; एक की उम्र महज 18 साल थी।

● सावधान! कोरोना वैक्सीन के नाम पर आए ओटीपी या लिंक तो हो जाएं सतर्क, खाते से उड़ सकते हैं पैसे।

● यूएस : बेकसूर अश्वेत युवक को 28 साल जेल में रखा, अब सरकार ने दिया 72 करोड़ हर्जाना।

● पाकिस्तान में 11 शिया मुसलमानों की हत्या, बलूचिस्तान की पहाड़ी पर ले जाकर मारी गोली, इमरान खान ने आतंकी हमला करार दिया।

● दो वैक्सीन की मंजूरी के बाद अब जल्द शुरू होगा वैक्सीनेशन; लेना या न लेना आपकी मर्जी पर: पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- देश के लिए गर्व का पल।

● सिगरेट व तंबाकू उत्पाद खरीदने के लिए न्यूनतम उम्र सीमा 18 से 21 करने का प्रस्ताव, प्रतिबंधित स्थान पर धूमपान करने पर जुर्माने को बढ़ाकर 2,000 रुपये किया जाएगा।

● कांग्रेस में अलग-थलग पड़े नवजोत सिंह सिद्धू को सक्रिय करने की कोशिश, बनाए जा सकते हैं पंजाब सरकार में मंत्री या पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष।

● कोरोना हॉटस्पॉट बना चेन्नई का आलीशान आईटीसी ग्रैण्ड चोला होटल, 85 लोग वायरस पॉजिटिव पाए गए।

● शिवराज मंत्रिमंडल: सिंधिया समर्थक सिलावट और राजपूत ने ली मंत्री पद की शपथ।

● नपुंसक बना सकती है कोरोना वैक्सीन! इस बेतुके दावे को डीसीजीआई ने बताया बकवास।

● पाक में दिलीप कुमार, राज कपूर के घर राष्ट्रीय धरोहर घोषित; खरीदने को सरकार ने किए 2.35 करोड़ रुपए मंजूर।

● नेपाल में प्रचंड ने चीन को दिखाया ठेंगा, केपी शर्मा ओली के खिलाफ तेज करेंगे आंदोलन।

● जाकिर नाईक ने फिर उगला जहर, पाक में मंदिर तोड़ने का किया समर्थन।

फिर बिगड़ी दिलीप घोष की जुबान-

मई माह के बाद खत्म हो जाएगी तृणमूल वायरस'

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने आज राज्य की सीएम ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा है कि कोरोना वायरस कब जाएगा यह तो नहीं पता है, लेकिन मई महीने की 20 तारीख के बाद तृणमूल वायरस का चले जाना तय है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल में परिवर्तन का दावा किया था, लेकिन सच्चाई यह है कि बंगाल में केवल सीएम के भतीजे और भाइयों का परिवर्तन हुआ है। पूरे राज्य की बदहाली जस की तस है।ममता बनर्जी की सरकार पर राज्य के जंगलमहल क्षेत्रों में उग्रवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि माकपा के शासनकाल में जिन लोगों ने बंगाल को अशांत किया था उन्हें जेल से लाकर एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस इलाके में अशांति फैला रही है ताकि लोग डरें और माहौल हिंसक बने। उन्होंने कहा कि इसका कोई लाभ होने वाला नहीं है। जून महीने के बाद कहीं भी तृणमूल कांग्रेस का झंडा दिखाई नहीं देगा। तृणमूल वायरस ने बंगाल का बहुत नुकसान किया है। दिलीप घोष ने झाड़ग्राम में शुभेंदु अधिकारी के साथ सभा को संबोधित किया। दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी कहती हैं कि जंगलमहल हंस रहा है, लेकिन हमें वह हंसी नहीं दिखाई दे रही। जंगलमहल से युवक युवती यहां से दूसरे राज्यों में काम के लिए जाते हैं। आज जंगलमहल के भूमिपुत्र परिवर्तन करने आए हैं।

श्री श्री रामकृष्ण संघ आद्यापीठ के ट्रस्टी, महासचिव ब्रह्मचारी मुराल भाई आवासी विद्यार्थियों के साथ अपना 77वाँ जन्म दिन मनाते हुए।
– विश्वमित्र

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे मंत्री राजीव बनर्जी

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। वन मंत्री राजीव बनर्जी की कार आज कोलकाता में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वन मंत्री की कार के टक्कर मारने वाले वाहन के चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस दुर्घटना में बंगाल के वन मंत्री बाल-बाल बच गये। कोलकाता के कस्बा इलाके में वन मंत्री अपनी कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान किसी मालवाहक वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इसमें मंत्री की कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, वन मंत्री राजीव बनर्जी को किसी तरह की चोट नहीं आयी।दुर्घटना की सूचना मिलते ही कस्बा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही कार को जिस मालवाहक वाहन ने टक्कर मारी, उसे भी जब्त कर लिया है। बाद में पुलिस ने मालवाहक वाहन के ड्राइवर विनोद मिश्र को गिरफ्तार कर लिया है।

आज शोभन-वैशाखी का शक्ति प्रदर्शन

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। भाजपा नेता शोभन चटर्जी तथा उनकी महिला मित्र वैशाखी बनर्जी के नेतृत्व में कल दक्षिण कोलकाता में जुलूस निकल कर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें पार्टी के राज्य प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय भी शामिल होंगे। मालूम रहे कि 14 अगस्त 2019 को भाजपा में शामिल होने के बाद शोभन चटर्जी पहली बार किसी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। उनकी जुलूस को सफल बनाने के लिए आज शोभन चटर्जी के निवास गोलपार्क में कोलकाता भाजपा कोर कमेटी की बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने इस जुलूस की अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद भाजपाई कल जुलूस निकालेंगे।

दुकान से 22000 की किताबें चोरी

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। कॉलेज स्ट्रीट पुस्तक बाजार में कल रात चोरों ने एक दुकान का शटर तोड़कर 22000 रुपए की किताबें चुरा ली। चोर दुकान के कैश बाक्स से नकद 3300 रुपए भी ले गए। बरानगर के रहने वाले इस दुकान के मालिक ने घटना की शिकायत जोड़ासांकू थाने में दर्ज कराई।

कई दिनों से घर में ही पड़ी रही युवक की लाश

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। दक्षिण चौबीस परगना के मटियाबुर्ज संलग्न रविंद्र नगर थाना इलाके में एक युवक राहुल कुमार गुप्ता (22) की लाश उसके ही घर से कई दिनों के बाद मिली है। उक्त घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस व स्थानीय लोगों ने बताया कि रविंद्र नगर थाना इलाके के वार्ड एक में मैलाडिपो भगाड़ में लोगों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने एक घर का दरवाजा तोड़कर कर उक्त युवक का शव बरामद किया। रविंद्र नगर थाने की पुलिस ने बताया कि राहुल का घर अंदर से बंद था था और उसके पिता अशोक गुप्ता बिहार के दुमका में कहीं गये हुए थें। राहुल के पड़ोसियों को कई दिनों से उसके बंद घर से बदबू आ रही थी।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही गुण्डे जाएंगे जेल: विजयवर्गीय

दक्षिण दिनाजपुर, 3 जनवरी (निप्र)। राज्य में चुनावी पारा गरम है। आज भाजपा के महासचिव और प्रदेश बीजेपी के केंद्रीय प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ममता बनर्जी पर जम कर बरसे। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा कर्मियों की हत्या का हिसाब देना पड़ेगा। दक्षिण दिनाजपुर स्थित बालुरघाट के बुनियादपुर में सभा में उन्होंने कहा कि इस राज्य में अभी तक 135 भाजपा कर्मियों को मौत के घाट उतारा जा चुका है।विजयवर्गीय ने बंगाल में राजनीतिक हिंसा को समाप्त करने की बात कहते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं होगा तो इसका परिणाम तृणमूल को भुगतना पड़ेगा। दीदी ने देश और दुनिया के अंदर बंगाल को बदनाम किया है। इस प्रदेश को बचाना है। डरे नहीं, लड़ें। इस प्रदेश के संस्कार और संस्कृति को बचाना है उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार राज्य में बनते ही राजनीतिक हिंसा पर सिर्फ रोक ही नहीं लगेगी बरन रंगदार व गुंडों को जेल हवा खानी पड़ेगी। कैलाश विजवर्गीय ने कहा सभा में लोगों से कहा कि बंगाल ने कांग्रेस से लेकर वाममोर्चा की सरकार में क्या हुआ यह देखा है और अब लोग दस सालों से तृणमूल की सरकार को देख रहे हैं। उन्होंने

कहा, मेरा वादा है कि बीजेपी की सरकार में हिंसा की राजनीति का कोई स्थान नहीं होगा और जो गुंडे यहां पर सिंडिकेट राज चला रहे हैं वह जेल जाएंगे। अगर इसके लिये हमे नई जेल भी बनानी होगी तो वह भी होगा। कैलाश विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि देश में सबसे ज्यादा छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटना बंगाल में होती है। जबकि अफसोस है कि यहां की सीएम एक महिला ही है। इस सभा में भाजपा के प्रदेश महा सचिव सायंतन बसु, रथिन बसु,बालुरघाट केंद्र के भाजपा सांसद सुकांत मजुमदार, भाजपा जिलाध्यक्ष बिनय कुमार बर्मन और अन्य नेता भी मौजूद रहें।

राज्य के शहरी विकास पालिका व मामला मंत्री फिरहाद हाकिम अजीमगंज नगरपालिका इलाके में विद्युत शवदाह केन्द्र का उद्घाटन करते हुए।
– विश्वमित्र

बागुईहाटी में बार डांसर की हत्या कर प्रेमी फरार

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। महानगर कोलकाता संलग्न बागुईहाटी थाना क्षेत्र में एक बार डांसर की हत्या कर दी गई है। उसकी पहचान स्वीटी कौर के तौर पर हुई है। आरोप है कि उसके बॉयफ्रेंड ने तकिया से सांस बंद कर उसकी जान ली है। आज बागुईहाटी थाने से मिली जानकारी में बताया गया है कि स्वीटी कौर बार में डांस करती थी और सौरव चक्रवर्ती के साथ उसका प्रेम संबंध था। कुछ दिनों पहले बागुईहाटी ईस्ट मॉल रोड में उसने सौरभ के साथ किराए का कमरा लिया था। मकान मालिक ने बताया है कि 31 दिसंबर को आखरी बार उसने स्वीटी को देखा था। शनिवार फ्लैट से बहुत अधिक दुर्गंध आ रही थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि उसके मुंह पर तकिया रखा हुआ था और नाक से बहुत अधिक खून निकला था। इसके बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि तकिए से ही उसकी सांस बंद कर हत्या की गई है। उसका पुरुष साथी फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की टीम जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज देखा जा रहा है। मौत की वजह को समझने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर पुलिस का अनुमान है कि संबंध में खटास की वजह से ही प्रेमी ने उसकी हत्या की होगी।

अदारा मेहफिले खुश रंग का 8 वां पुरस्कार समारोह और सेमिनार

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। हिन्दु मुस्लिम एकता और भाईचारे को लेकर इस वर्ष भी अदारा मेहफिले खुश रंग का हावड़ा टिकिया पाड़ा कल्पना चावला ऑडिटोरियम 8 वां पुरस्कार समारोह और सेमिनार का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम प्रोफेसर कैसर शमीम की अधयक्षता में हुयी और ताहिर बैग दहलवी ने संचालन की भुमिका निभाई। कवि इस्माइल परवाज ने संस्था की भुमिका और उस के कार्य का उल्लेख किया। प्रो. मंसूर आलम ने देश की स्वाधिनता में हिन्दुओं और मुसलमानों की भूमिका का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम से सम्बोधित करने वालों में अशहर हाशमी, जैद अनवर, एसएम राशिद, डॉ. मुश्ताक अंजूम, इम्तियाज अहमद एडवोकेट, आसिफ अंसारी, डॉ. मुश्ताक अंजूम, खुर्शिद अकराम, दभेंगा टाइम्स के सम्पादक खुशतर मंसूर, और मोहतरमा तरन्नुम मुश्ताक, के नाम उल्लेखनीय है। जिन लोगों को पुरस्कृत किया गया उन के नाम प्रोफेसर मंसूर आलम, संजय बक्शी, जैद अनवार मोहम्मद, ऊरफान बनारसी, अमित बनर्जी, इम्तियाज अहमद एडवोकेट, हलीम साबिर, आतिश रजा शब्बार अहमद, ताहिर बैग दहलवी, मोहतरमा अंजूम परवीन। इस अवसर पर अशहर हाशमी को दाग दहलवी एनाई, डाक्टर मुखतार अहमद फरदीन को राहत इंदोरी एवाई, डॉ. राम अदलाद चौधरी को मुजफर हनफी एवार्ड, डॉ. अलिफ अंसारी को फराग रोहोवी एवार्ड, सुल्तान साजिद को वहशत कलकतवी एवार्ड डाकटर उमर गजाली को खीन्द्र नाथ टेगोर एवार्ड डाकटर आदिल हयात को अलकमा शिबला एवार्ड, खुर्शिद एकराम को उत्तम कुमार एवार्ड, इरफान अली ताज को मुल्ला जान एवार्ड, सुनील दिक्षित को उसमान जावेद एवार्ड, डॉ, निशात फातिमा को कोविड - 19 एवार्ड से पुरस्कृत किया गया। इस के अलावा कोसीन जहां, हुमा परवीन, राहत सुल्ताना, सजल साव, मिसबाह सईद, नूर फिरदौस, शफी मुश्ताक, सुफ़यान अहमद, और खालिद मुश्ताक को आई एम के आर एजूकेशनल एवार्ड से पुरस्कृत किया गया

दपूरे द्वारा कोरोना काल में सिग्नल व संचार में उल्लेखनीय कार्य

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। यात्री और माल यातायात के तेजी से विकास के साथ, रेलवे के हिस्से पर महत्वपूर्ण ट्रंक लाइनों और सिग्नल पॉइंट्स पर सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग उपकरणों को आधुनिक बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक हो गया है ताकि ट्रैफ़िक आंदोलन को आसानी से चलाया जा सके। दक्षिण पूर्व रेलवे हमेशा अपने अधिकार क्षेत्र में यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण पूर्व रेलवे, इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, कोविड काल के दौरान सभी विभागों अर्थात, यांत्रिक, विद्युत, इंजीनियरिंग और सिग्नल और टेली संचार के बावजूद सभी प्रकार के सुरक्षा संबंधी कार्यों की देखरेख कर रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे का सिग्नल एंड टेली कम्युनिकेशन विभाग अपनी पूरी मशीनरी के साथ चार डिवीजनों अर्थात खड़गपुर, आद्रा, रांची और चक्रधरपुर में नियमित सेवाओं पर आवश्यक रखरखाव और मरम्मत कार्यों का संचालन करने के लिए आगे आया है, ताकि रेल सेवाओं को सुरक्षित रूप से चलाया जा सके। कोविड-19 पैनडेमिक के डर के बिना सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के फील्ड वर्कर्स और अधिकारियों ने ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को निभाने की चुनौती ली है और सिग्नलिंग और टेलीकम्युनिकेशन के सभी प्रकार के सुरक्षा संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। स्टेशन और ब्लॉक खंड, रूट रिले इंटरलॉकिंग, ऑटो सिग्नलिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग एलईडी सिग्नलिंग, इंटरलॉकिंग स्तर क्रॉसिंग गेट, स्लाइडिंग बूम, पुराने उपकरणों के प्रतिस्थापन, आउट प्वाइंट, डेटा लकड़हारा, डिजिटल गैजेट्स आदि। दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी स्टेशनों के साथ प्रदान किया गया है। एलईडी संकेत। मिशन सत्यनिष्ठ के तहत गतिविधियाँ शुरू की गई हैं। सफलता के हिस्से के रूप में, टेलीकॉम इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की 3 प्रमुख श्रेणियां आयोजित की गई हैं। कार्य स्थानों में सुधार और स्वच्छता में सुधार के लिए नियमित रूप से कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा, डिजिटल पहल को काउंटर संचार प्रणाली, यात्री आरक्षण प्रणाली, यात्री अनुकूल चरणों के रूप में स्टेशनों पर वाई-फाई की स्थापना जैसे कदम उठाए गए हैं। महत्वपूर्ण स्टेशनों और अन्य जाहिरा तौर पर संवेदनशील स्टेशनों को यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षा के संदर्भ में बेहतर निगरानी के लिए सीसीटीवी से लैस किया गया है। उच्च सुरक्षा के संबंध में लेवल क्रॉसिंग गेट अच्छी तरह से फिसलने वाले बूम से सुसज्जित हैं। सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग कार्यों ने पूरे सिस्टम में ट्रेनों के सुरक्षित और शीघ्र चलने को सुनिश्चित किया है। रेलवे के साथ प्रदान किए गए सिग्नल और टेलीकॉम उपकरणों की ओवरहॉलिंग और रखरखाव एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है और दक्षिण पूर्व रेलवे लॉकडाउन और अनलॉक अवधि के दौरान पुरानी परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन, आधुनिकीकरण और उनके निष्पादन के रूप में यह सब कर रहा है।

कोविड चिकित्सा में पूर्व रेलवे के अस्पतालों का बेहतर कार्य

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। पूर्व रेलवे के आर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा और बी आर सिंह अस्पताल, सियालदह महामारी के फैलने के बाद से कोविड-19 रोगियों के इलाज में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। दोनों अस्पताल उपचार के सबसे आधुनिक तरीके का उपयोग कर रहे हैं और मृत्यु दर उल्लेखनीय रूप से कम है। राष्ट्र-व्यापी संकट की घड़ी में, अत्याधुनिक उपकरणों के साथ ये अस्पताल कोविड-19 को टालने के लिए और अपने इलाज और नर्सिंग के माध्यम से रोगियों को ठीक करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान कर रहे हैं। आर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा अप्रैल 2020 के अंतिम सप्ताह से एक समर्पित उजतखऊ-19 अस्पताल के रूप में कार्य कर रहा है। आवश्यक उपकरणों और जनशक्ति के प्रावधान के साथ वर्तमान स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए अस्पताल को पूरी तरह से संशोधित किया गया है। अस्पताल में अपनाए जाने वाले उपचार प्रोटोकॉल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। उपचार का मुख्य आधार कम ऑक्सीजन संतृप्ति वाले गंभीर मामलों में मध्यम ऑक्सीजन थेरेपी का प्रावधान है। उच्च प्रवाह नाक ऑक्सीजन थेरेपी इकाइयां स्थापित की गई हैं और अस्पताल में नई केंद्रीकृत ऑक्सीजन पाइपलाइन स्थापित की गई है। स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है और स्वच्छता का उच्च स्तर बनाए रखा जाता है। उचित आहार पर भी उतना ही ध्यान दिया जाता है जो हाइजीनिक रूप से डिस्पोजेबल बर्तनों में दिया जाता है। अस्पताल की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि एक चिकित्सा अधिकारी परिवारों और रोगियों को टेलीफोन पर या व्यक्तिगत रूप से अस्पताल में दैनिक अपडेट प्रदान कर रहा है। रोगियों के परिवार को संपर्क नंबर भी प्रदान किया जाता है जहां वे स्वास्थ्य अपडेट के बारे में जानकारी के लिए कॉल कर सकते हैं। उच्च स्तर की रोगी संतुष्टि का मूल कारण अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों और पैरा-मेडिकल कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत देखभाल है। रेलवे प्रशासन सभी प्रकार की सहायता प्रदान कर रहा है और आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। वसूली दर 95.45% है। सबसे महत्वपूर्ण रोगियों को चिकित्सा के लिए बी आर सिंह अस्पताल, सियालदह में भेजा जाता है। बी आर सिंह अस्पताल, सियालदह पूर्व रेलवे में कोविड रोगियों के लिए महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान कर रहा है। इसमें 20 बेडेड क्रिटिकल केयर यूनिट और 40 बेडेड रिकवरी यूनिट है जो कोविड को समर्पित है। 25-बेड वाला आइसोलेशन वार्ड भी पूरी तरह कार्यात्मक है। कोविड सीसीयू में सेंट्रल मेडिकल गैस की आपूर्ति के साथ वेंटिलेटर, गैर-इनवेसिव वेंटीलेटर मशीन, उच्च प्रवाह नाक ऑक्सीजन उपकरण, धमनी रक्त गैस विश्लेषक आदि की अप-टू-डेट मॉडल हैं। ऐसे रोगियों के लिए सीटी स्कैन, अल्ट्रासोनोग्राफी और एक्स-रे की सुविधाएं हैं। कोविड-19 संक्रमण के सभी रोगियों की जांच के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट नियमित रूप से चौबीसों घंटे किया जाता है। कोविड-19 संक्रमण के निदान के लिए आरटीपीआरसी परीक्षण के नमूने भी बी आर सिंह अस्पताल में एकत्र किए जाते हैं और एनआईसीईडी, कोलकाता में परीक्षण के लिए भेजे जाते हैं। नमूनों के संग्रह के लिए एक कोविड विस्क स्टॉल लगाया गया है।

रिसड़ा तृणमूल कांग्रेस की ओर से पार्टी के जिला सचिव, को-आर्डिनेटर चन्द्रमणि सिंह ने 2000 गरीबों में गर्म वस्त्र वितरित किया। उपस्थित थे विधायक डॉ. सुदीप्त राय, नगरपलिका प्रशासक विजय सागर मिश्र, उप प्रशासक जाहिद हसन खान एवं अन्य नेता।
– विश्वमित्र

जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मा वितरण

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। सोसाइटी बेनिफिट सर्किल, कोलकाता की एक विशिष्ठ समाज सेवी संस्था, जो विगत 66 वर्षों से लगातार समाज के जरूरतमंद लोगों के सेवा में लगी हुई है, प्रमुख कार्यों में चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करती रही है। इसी के तहत आज हमीरागाछी स्थित संस्था के चिकित्सालय में निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष मनीष धानुका, प्रधान सचिव पवन बंसल, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र गोयनका, बिमल मुरारका, विनय सोंथलिया, चुन्नीलाल पटेल, श्रीमती उमा धानुका, बिनोद अग्रवाल, महेश पंचलंगिया, तारक गुप्ता,महेश गोयनका, डा.रमेश गोयनका, दिलीप गोयनका, सुनील गोयनका, अनिल गोयनका, प्रवीण जालान, डाक्टर शमीम अहमद आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। ज्ञात रहे कि सोसाइटी बेनिफिट सर्किल लगातार 3 महीने तक लॉकडाउन के मध्य जरूरतमंदों को फूड पैकेट्स, राशन, बिस्किट, फल, मास्क, सैनिटाइजर आदि वितरित करती आई है। साथ ही नेत्र चिकित्सालय, चश्मा वितरण, नेत्र शल्य चिकित्सा, प्राथमिक चिकित्सा शिविर, कम्बल वितरण आदि में संस्था निरंतर कार्य करती आ रही है। यह जानकारी संस्था के प्रधान सचिव पवन बंसल ने दी।

टीएमसी स्थापना दिवस पर सेवा कार्य

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर तृणमूल कांग्रेस वार्ड नम्बर 42 की ओर से अर्मेनियन स्ट्रीट में आयोजित समारोह में प्रधान अतिथि विधायक स्मिता बक्शी ने स्थापना दिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने के लिए वार्ड - 42 के अध्यक्ष अशोक ओझा एवं महिला समिति की अध्यक्ष अनीला खान का अभिनंदन किया । पूर्व विधायक संजय बक्शी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सेवा संकल्पों की जानकारी दी । इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा एक हजार से ज्यादा लोगों को कम्बल का वितरण किया गया । तृणमूल कांग्रेस उत्तर कोलकता हिंदी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पूर्व पार्षद ओमप्रकाश पोदार, समाजसेवी रामचंद्र बड़ोपलिया ने कार्यकर्ताओं के सेवाकार्य की सराहना की । विजय पांडे, अयाज अहमद खान, मनोज सिंह, मोहम्मद शाहिद, सुनील दीक्षित, मोहम्मद जमालुद्दीन, विजय शर्मा, मोहम्मद फहीमुद्दीन, अजय बोथरा, शाहनवाज जावेद, संदीप मिश्रा, गणेश शर्मा, मोहम्मद औरंगजेब एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे । संचालन दीपक निगानिया (लड्डू) ने किया ।

फकीर बागान में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

हावड़ा, 3 जनवरी (निप्र)। युवा शक्ति संगम की ओर से आज फकीर बागान में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी भाजपा के प्रदेश नेता उमेश राय ने कहा कि हम आखिरी आदमी का विकास चाहते है आज जो कंबल ले रहे हैं वे कल कंबल दूसरों को देने लायक बनें। वह दिन दूर नहीं ऐसा हम देखेंगे। समाजसेवी सूरज देवी सिपानी सोना देवी तिवारी पूर्व भाजपा पार्षद गीता राय , संस्था की महिला शाखा की अध्यक्ष खुशबू सिपानी, तारक नाथ साव, बीना देवी भंसाली, सुनीता लुनिया, प्रभात जैन, राजेंद्र जैन सुदीप बांठिया, दिव्या लुनिया ने कंबल वितरण किया, समापन के पूर्व कोलकाता नगर निगम के पूर्व पार्षद तृणमूल नेता सपन बर्मन ने कहा कि इंसान का सबसे बड़ा सेवा है। संस्था के अध्यक्ष विमल सिपानी ने धन्यवाद जताया।कार्यक्रम का संचालन विजय तिवारी ने किया।

बड़ाबाजार जिला इंटक कर्मी सम्मेलन

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। केन्द्र एवं राज्य सरकार दोनों ने ही श्रमिक विरोधी नीति अपना लिया है। जिसके कारण श्रमिकों की हालत दयनीय है। बड़ाबाजार जिला इंटक कर्मी सम्मेलन में प्रदेश इंटक अध्यक्ष जनाव कमरूजमा कमर ने कहा कि बड़ाबाजार इलाका सदियों से व्यवसायिक रहा है। यहां हजारों मजदूर काम करते हैं। वर्षों से इनलोगों का शोषण हो रहा है। इसके खिलाफ आवाज बुलंद करने की जरूरत है। नई दिल्ली में किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान केन्द्र सरकार किसान विरोधी है और आंदोलनकारियों से बातचीत नहीं कर रही है। कांग्रेस आंदोलनकारी किसानों के साथ है। इस मौके पर उन्होंने शीतलेन्द्र झा को बड़ाबाजार जिला इंटक अध्यक्ष बनाने की चिट्ठी उन्हें सौंपी। मो. कमर ने कहा कि शीतलेन्द्र की अगुवाई में बड़ाबाजार में मुख्य रूप से श्रमिक संगठन और मजबूत होगा। बड़ाबाजार जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश शर्मा, महासचिव नागेश सिंह, श्रमिक नेता गौतम साहा, हरेकृष्ण चौधरी, गुलाम रब्बानी, आदि ने विचार रखे। इस मौके पर रामबाबू शुक्ला, गुड्डू खान, रूप नारायण देरासरी, नगिना खैरवार, नारद सोनकर, कुनाल चतुर्वेदी, हरिशंकर, महेश राउत, गौरी शंकर, शंभू दास, संजय दास, अजय दास सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा द्वारा कुल्टी में कंबल वितरण

बराकर, 3 जनवरी (निप्र)। भाजपा कुल्टी मंडल एक द्वारा भाजपा के वरिष्ट नेता डॉ अजय पोद्दार तथा मंडल एक के अध्यक्ष बबलू पटेल के नेतृत्व मे लगभग 150 बराकर रेलवे स्टेशन परिसर में कंबल वितरण किया गया। इसके पूर्व बराकर के बिभिन्न मंदिरों की पांच पुजारियों को मंच पर बैठाकर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, जिसमें बराकर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी ब्रह्मदेव पांडेय, हनुमान चढ़ाई मंदिर के पुजारी मुकेश पाण्डेय, काली मंदिर के पुजारी भुवन तपादार सहित अन्य पुजारी मुख्य रूप से शामिल थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ अजय पोद्दार ने कहा कि भाजपा द्वारा समय-समय पर इस तरह का कार्यक्रम लगातार किया जाता है ताकि गरीबो तक सीधा सहायता पहुंच सके। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बबलू पटेल, वरिष्ठ नेता राजेश सिन्हा, राजू यादव, सौरभ चौरसिया, नरेश ठाकुर, पवन शुक्ला, टीपू सरैया, प्रेम देव दास, जीतन बाउरी सहित पार्टी के अन्य सदस्य मौजूद थे । बराकर रेलवे स्टेशन पर भाजपा द्वारा कंबल बितरण कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला सदस्य विभाष सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित नहीं किया गया है। यह आयोजन अपने किसी निजी स्वार्थ को पूरा करने हेतु किया गया है।

राम जानकी समिति का रजत जयंती वार्षिकोत्सव

हावड़ा, 3 जनवरी (निप्र)। मध्य हावड़ा के वार्ड-20 में स्थित सामाजिक संस्था राम जानकी समिति का रजत जयंती वार्षिकोत्सव आज बेलिलियस पार्क में मनाया गया। कार्यक्रम में वार्षिक रिपोर्ट, भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा आगे मिल-जुलकर समाजसेवा के ज्यादा से ज्यादा काम करने का निर्णय लिया गया। समिति के अध्यक्ष उमेश कुमार जायसवाल (पप्पू) ने सदस्यों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष भगवान दास, राधेश्याम जायसवाल, संयुक्त सचिव गंगा जायसवाल, संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष बृजेश जायसवाल, लेखाकार ओमप्रकाश, जयप्रकाश, दीपक, रवि, अमित, श्याम तथा सदस्यगण उपस्थित थे। नई कमेटी गठित होने तक के लिए कृष्णा जायसवाल को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया।

विश्व समाचार

विश्वभर में कोरोना से करीब 18.36 लाख लोगों की मौत

वाशिंगटन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व में कई देशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के टीकाकरण का अभियान शुरू होने के बीच इस महामारी का प्रकोप जारी है और अब तक इससे दुनियाभर में करीब 18.36 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लगभग 8.46 करोड़ लोग प्रभावित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 8,45,88,500 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 18 लाख 35 हजार 788 मरीजों की मौत हो चुकी है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.04 करोड़ हो गयी है, जबकि 3,50,186 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में 26.07 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 74,682 लोगों की मौत हुई है। तुर्की में कोविड-19 से अब तक 22.32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 21,295 लोगों की मौत हुई है। इटली में अब तक 21.41 लाख से अधिक लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और 74,985 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 19.28 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 50,837 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 17.73 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं तथा 34,480 लोगों की मौत हुई है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 16.66 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 43,765 लोगों ने जान गंवाई है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से अब तक करीब 16.35 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 43,375 लोगों की मौत हो चुकी है।

बलूचिस्तान में 11 कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र के माच इलाके में रविवार को सशस्त्र आतंकवादियों ने शिया हाजरा समुदाय के कम से कम 11 कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय पुलिस के मुताबिक जब कोयला खनिक अपने काम पर जा रहे थे तभी आतंकवादियों ने उनका अपहरण कर लिया और उन्हें पास के पहाड़ों में ले गये तथा सभी को नजदीक से गोली मार दी। इनमें से छह की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी जबकि पांच अन्य ने अस्पताल के रास्ते में दम तोड़ दिया। समाचारपत्र 'डॉन' ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि प्रारंभिक जांच से खुलासा हुआ कि हमलावरों ने पहले शिया हाजरा समुदाय के खनिकों की पहचान की तथा बाद में सभी को अपने साथ लेते गये जबकि अन्य खनिकों को बिना कोई नुकसान पहुंचाये छोड़ दिया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इन नृशंस हत्याओं की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान में 11 निर्दोष कोयला खनिकों की निंदनीय हत्या आतंकवाद का एक और कायरतापूर्ण अमानवीय कृत्य है।

थाईलैंड में ब्रिटेन से जुड़े कोरोना के नये स्वरूप के रोगी मिले

मनीला, 3 जनवरी (एजेंसियां)। थाईलैंड में ब्रिटेन में उत्पन्न कोरोना वायरस के नये स्वरूप के चार मरीजों के पहले मामले की पहचान की गयी है। थाई पीबीएस ने योंग पूवोरवान स्थित चुलालोंगकोर्न यूनिवर्सिटी के क्लिनिकल वॉयरोलॉजी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी। न्यूज आउटलेट के मुताबिक नया स्ट्रेन चार ब्रिटिश नागरिकों के एक परिवार में पाया गया है। इस परिवार के सदस्यों को एक निजी अस्पताल में कारंटीन किया गया है। गौरतलब है कि दिसंबर में ब्रिटेन ने कोरोना वायरस के नये स्वरूप की पहचान की थी जो अन्य वायरस से 70 फीसदी अधिक संक्रामक है।

पीआईए ने किया सऊदी अरब के लिए विमानों का परिचालन बहाल

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइंस, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब द्वारा अपनी सीमाओं को फिर से खोलने और कोविड-19 के नए स्ट्रेन के मद्देनजर दो सप्ताह के निलंबन के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बहाली की घोषणा किए जाने के बाद वह खाड़ी देश के लिए उड़ान संचालन फिर से शुरू करेगा। इससे पहले केवल पाकिस्तानी नागरिकों को सऊदी अरब से घर लौटने की अनुमति थी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पीआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, यात्री पीआईए कॉल सेंटर से संपर्क कर सकते हैं या पुरानी बुकिंग को सक्रिय करने या नयी बुकिंग के लिए कार्यालयों का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी यात्रियों को यात्रा से पहले कोविड-19 पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य होगा।

अफगानिस्तान के कपिसा में विस्फोट, पांच लोगों की मौत

काबुल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के कपिसा प्रांत में आज एक विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट कपिसा में उलेमा परिषद के प्रमुख को ले जा रहे वाहन को निशाना बनाकर किया गया था। कपिसा प्रांतीय परिषद के प्रमुख मोहम्मद हुसैन संजानी ने कहा कि उलेमा काबुल से प्रांत आ रहे थे। उन्होंने बताया कि वाहन में सात लोग सवार थे जिनमें से पांच लोगों की विस्फोट में मौत हो गयी और उलेमा परिषद के प्रमुख सहित दो लोग घायल हुए हैं।

ग्रामीण इलाके में बांटी 300 कंबल

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। शहर से दूर हुगली जिला के हरिपाल इलाके में ठंड से ठिठुर रहे असहाय ग्रामीणों की पीड़ा को महसूस करते हुए खटेर परिवार ने प्रेम मिलन (कोलकाता) के सहयोग से शुक्रवार को कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया। खटेर परिवार की ओर से संजय खटेर ने बताया कि उनकी मां कंचनदेवी खटेर की पुण्यतिथि के मौके पर आज कंबल बांटकर मां को श्रद्धांजलि देने का इससे बेहतर तरीका कोई दूसरा नहीं हो सकता। इस मौके पर प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि शहर में गरीबों के हितार्थ किया गया काम सेवा कहलाता है, लेकिन वही काम अगर ग्रामीण अंचलों में किया जाए तो उसे सच्ची सेवा कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि शहर की तुलना में ग्रामीण इलाकों में गरीबी ज्यादा है और गांव के निवासियों को इस तरह की मदद की अति आवश्यकता होती है। सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि आज सज्जन सराफ, संजय खट्टेर, किशन जैन,विष्णु अगरवाल समेत कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी में ब्राह्मणपाडा स्थित श्री मानव सेवा ट्रस्ट के प्रांगण में पूरे व्यवस्थित तरीके से 300 लोगों की बीच कंबल बांटी गई । आयोजन को सफल बनाने में हरी सोनी, नवीन सराफ,मनोज जयसवाल,मुकेश सिंह, प्रशांत माझी, कल्याण घोष, शुभाशीष विश्वास, संजय रजक ने सक्रिय भूमिका निभाई।

लॉयन्स क्लब, हेस्टिंग्स का सेवाकार्य

नंदकुटी, 3 जनवरी (निप्र)। लॉयन्स क्लब ऑफ कलकत्ता, हेस्टिंग्स की ओर से अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत ग्रामीण नागरिकों में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। पूर्व पार्षद लायन ओम प्रकाश पोद्दार, संस्था के अध्यक्ष रामचन्द्र बड़ोपलिया ने बताया कि लॉयन्स हेस्टिंग्स ग्रामीण सेवा केन्द्र, नन्दकुटी में आयोजित कार्यक्रम में सैंकड़ों नागरिकों को कम्बल, स्वेटर, मास्क, सेनिटाइजर भी प्रदान किये गये। लॉयन्स क्लब, हेस्टिंग्स के संस्थापक सदस्य पंडित लक्ष्मीकान्त तिवारी ने ग्रामीण क्षेत्र में लायन बंधुओं द्वारा निरन्तर किये जा रहे सेवाकार्यों की सराहना की। लायन पवन पोद्दार, प्रमोद चांडक, गणेश शर्मा, कमल अग्रवाल, पीयूष पोद्दार एवं लायन बन्धु सक्रिय रहे।

कोरोना कर्मवीर सम्मान प्रदान किया गया

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे डॉ., स्वास्थ्यकर्मी, सुरक्षाकर्मी सम्मान के पात्र हैं। इसी क्रम में लेखकों के योगदान को समाज के सामने ला उन्हें सम्मानित करने की सोच के साथ बिन्नानी भाईपा (बिन्नानी पंचायती ट्रस्ट) कोलकाता के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार बिन्नानी एवं सचिव श्री सुरेश बिन्नानी ने एक नयी तरह की पहल कर बीकानेर के 73 वर्षीय श्री गोवर्धन दास बिन्नानी राजा बाबू को कोऱना कर्मवीर सम्मान से नवाजा है। साथ ही साथ राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक सामग्री वितरण में श्री मोतीचंद,चैन्नई व श्री मदनमोहन, कोलकाता एवं चिकित्सा क्षेत्र में डॉ अभिषेक, बीकानेर और डॉ देविना,नवी मुंबई को भी कोरोना कर्मवीर सम्मान पत्र प्रदान करने का निश्चय किया।

श्री मंगलकारी पार्श्वनाथ भगवान – शांतिधाम – तिथल

भाग्योदय में प्रयत्न और पुरुषार्थ से भी ज्यादा जरूरी होता है समय की सच्चाई के साथ जी सकने और स्वयं के अंदर छिपी अनंत संभावनाओं को उद्घाटित कर सकने का विश्वास। जिसे अपनी क्षमताओं पर विश्वास होता है, वही धर्म का वास्तविक पात्र होता है। इसी वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता, तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। भगवान पार्श्वनाथ अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारंभ। उनका जन्म लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था। उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पार्श्वनाथ को नौ जन्म लेने पड़े। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः ही वे तेईसवें तीर्थंकर बने। पार्श्वनाथ ने संसार और संन्यास दोनों को जीया। उन्होंने जीवन शुद्धि के लिए कठोर तप किया। उनके तप में सादगी थी और जीवन शुद्धि का मर्म था। वास्तव में तप वही है जिसके साथ न प्रदर्शन जुड़ा है और न प्रलोभन। इसमें न केवल उपदेश काम करता है और न अनुकरण। जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पार्श्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित किया। उनकी साधना की कसौटी थी- शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। पार्श्वनाथ ने अहिंसा का दर्शन दिया। उन्होंने संदेश दिया- 'सव्वे पाणा पियाउवा, सव्वे दुक्ख पडिकुला'- यानी सबको जीवन प्रिय है, दुख कोई नहीं चाहता। पर हमने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण को नकार दिया।

आपके भीतर अनंत शक्ति, असीम क्षमता...

भगवान पार्श्वनाथ अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारंभ। उनका जन्म लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था। उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। अश्वसेन वाराणसी के राजा थे।

● ललित गर्ग

ज्ञान और अहंकार

एक संवाद के अनुसार बारह वर्ष बाद श्वेतकेतु घर लौटता है। जैसा कि अक्सर नौजवानों में होता है, उसे भी अपनी शिक्षा का अभिमान है। जब उसके पिता उससे पूछते हैं कि गुरुकुल में क्या सीखा, तो वह सब विषयों को गिना देता है। वे फिर पूछते हैं कि क्या वह भी जाना, जिसे जानकर सब जान लिया जाता है। श्वेतकेतु ने कहा कि गुरु ने तो ऐसा कुछ नहीं सिखाया। पिता ने तब कहा कि व्यावहारिक ज्ञान तो आवश्यक है, पर आत्मज्ञान के बिना बाकी का ज्ञान व्यर्थ होता है। यह सुन कर श्वेतकेतु का अहंकार टूट जाता है और वह अपने पिता से आत्मज्ञान की शिक्षा पाना शुरू करता है। इस बात को सुकरात भी सम्मति देते हैं कि ज्ञान की राह में पहला चरण यह है कि हम स्वीकारें कि हम अज्ञानी हैं। जो यह सोचते हैं कि वे जानते हैं, वे वास्तव में अज्ञानी हैं। इसीलिए उपनिषद् में कहा है कि अज्ञानी तो अंधकार में भटकते ही हैं, पर ज्ञानी महाअंधकार में भटक सकते हैं। तथाकथित ज्ञान अहंकार पैदा कर सकता है, और अहंकार अंधेपन से भी बदतर होता है। वास्तव में सच्चा ज्ञानी जितना अधिक जानता है, उतना ही जो वह नहीं जानता, उसके बारे जानने लगता है।

● सुभाष बुड़ावनवाला

अक्लमंद की मूर्खता

एक राजा के राज्य में बुद्धिमान व्यापारी रहता था। एक बार राजा ने व्यापारी को दरबार में बुलाया और कहा कि तुम इतने बुद्धिमान बनते हो पर अपने बेटे को मूर्ख बना रखा है। उसे तो यह भी नहीं पता कि सोने और चांदी में अधिक मूल्यवान कौन-सी वस्तु है। पूरे दरबार ने व्यापारी की खिल्ली उड़ाई और वह अपमानित होकर घर लौट आया। घर लौटने पर उसने अपने पुत्र से वही सवाल पूछा। पुत्र ने बताया कि सोना अधिक मूल्यवान है। हतप्रभ से व्यापारी ने फिर राजा वाली बात बतायी। पुत्र ने कहा-राजा रोज विद्यालय में निरीक्षण के लिए आते हैं। एक हाथ में स्वर्ण और दूसरे में चांदी की गिन्नी रखकर कहते हैं जो अधिक मूल्यवान है, उसे उठा लो। मैं रोज चांदी की गिन्नी उठा लेता हूं और सब मुझे मूर्ख समझ हंसते हैं। अंदर जाकर उसने पेटी दिखाई, जिसमें चांदी की बहुत-सी गिन्नियां थीं। बेटे ने कहा कि मैं जिस दिन सोने की गिन्नी उठा लूंगा, राजा यह खेल बन्द कर देंगे। उनकी तृप्ति इसी में है कि राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यापारी का बेटा महामूर्ख है। उनकी यह ईर्ष्या मुझे रोज चांदी की गिन्नी दिला देती है। व्यापारी अब पुत्र को लेकर निश्चिंत था। मूर्ख होने में और समझे जाने में बहुत अंतर होता है और ईर्ष्या बड़े से बड़े राजा की आंखों पर भी पट्टी बांध देती है।

● स्वाती

आस्था से सहनशीलता

सूफी संत राबिया अपनी भक्ति के लिए विख्यात थीं। किसी से मतलब न रखते हुए वह दिन-रात अपने ध्यान में मग्न रहती थी। उनके पास अनेक स्त्री, पुरुष, युवा और वृद्ध आते थे और उनके दर्शन कर स्वयं को धन्य मानते थे। उन दिनों वहां इबलीस की बड़ी चर्चा थी जो कि पूर्णतः नास्तिक था और अपनी बेतुकी बातों से सबको बरगलाता था। एक दिन एक सज्जन राबिया से मिलने आए और उनसे बोले-इबलीस आपके और ख़ुदा के बारे में बड़ी बेढंगी सोच रखता है। क्या आप भी कभी उसे सुधारने की सोचती हैं या उसकी निंदा करती हैं। राबिया विनीत भाव से मुस्कुराते हुए बोली-भाई, मुझे अपने ख़ुदा से ही फुरसत नहीं मिलती। उसके बंदे मुझे जो आदर देते हैं, वह भी मुझसे संभाला नहीं जाता। फिर बुराइयों की क्या मुझमें कोई कमी है जो मैं दूसरों की बुराइयों को खोजने में अपना समय व्यर्थ गंवाऊं। उससे कहीं अच्छा है कि मैं स्वयं को सुधारुं और अपने ख़ुदा में खुद को भुला दूं। आगंतुक सज्जन राबिया की भक्ति और सहृदयता से प्रभावित होकर उसके सम्मुख नतमस्तक हो गए।

● मुकेश कुमार जैन

व्रत-पर्व

6 जनवरी- रुक्मिणी अष्टमी, अष्टका श्राद्ध कालाष्टमी

7 जनवरी- राजिम भक्तिन माता जयंती।

8 जनवरी- श्री पार्श्वनाथ जयंती (जैन), पौष दशमी।

9 जनवरी- सफला एकादशी व्रत।

प्रकाश चन्द्र अग्रवाल द्वारा विश्वमित्र कार्यालय के लिए इलस्ट्रेटेड इण्डिया प्रेस- 74, लेनिन सरणी, कोलकता से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, विज्ञापन व्यवस्था, सर्कुलेशन विभागों का पता- 74, लेनिन सरणी, कोलकाता-13, फोन 2264-9567, 2265-1139, Phone : 2264-9567, 2265-1139, फैक्स : 033-2265-6393, Fax:033-2265-6393, e-mail : vismtra@gmail.com, RNI No. 2508/57

माउंट आबू में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदू पर

माउंट आबू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू में आज न्यूनतम तापमान एक बार फिर जमाव बिन्दू पर पहुंच गया। हाडकंपाऊ सर्दी से जनजीवन प्रभावित हो गया। सवेरे भीषण सर्दी ने लोगों को दिन चढने तक घरों में ही दुबके रहने को मजबूर कर दिया। व्यापारिक प्रतिष्ठान देरी से खुलने पर दैनिक क्रियाकलाप प्रभावित रहे। मैदानों, बाग-बगीचों में खिले फूलों, सोलर प्लेटों, रात को खुले में खड़े वाहनों की छतों, पेड़-पौधों के पतों, घास पर सवेरे बर्फ की परत जमी देखी गई। अधिकतम तापमान में एक डिग्री का इजाफ होने से तापमापी का पारा 20.4 सेल्सियस दर्ज किया गया। आसमान के साफ रहने से सूरज निकलने पर अच्छी धूप खिली। सवेरे सर्दी से बचाव को लेकर लोग सडकों के किनारों धूप सेंकने व आग तापने का का आनंद लेते रहे। सवेरे शहर में छाया कोहरा सूरज उगने के बाद छंट गया। कड़ाके की ठंड से राहत पाने को जगह-जगह चाय की थडियों पर अदरक की चाय का स्वाद लेने को लोगों का तांता लगा रहा।

मोदी और शाह की गलतफहमी निकल जायेगी: गहलोत

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार को संवेदनहीन सरकार बताते हुए कहा है कि किसानों के साथ देश के लाखों लोग हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की गलतफहमी निकल जायेगी। श्री गहलोत आज प्रदेश कांग्रेस के किसान समर्थन में दिये एकदिवसीय धरने में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी हैं प्रदेश कांग्रेस ने यह धरना आयोजित किया है। उनतालीस दिन हो गये कि कड़ाके की ठंड में देश के किसान आंदोलन कर रहे हैं लेकिन केन्द्र सरकार की संवेदनहीन की पराकाष्ठा हैं कि किसान थक जायेंगे और मुद्दा समाप्त हो जायेगा। उन्होंने किसानों को समझदार बताते हुए कहा कि वे शांतिपूर्वक एवं भाईचारे के साथ आंदोलन कर रहे हैं और किसानों के साथ देश के साढ़े छह लाख गांवों में बैठे लोगों की भावना हैं। उन्होंने कहा कि वक्त आने पर कि श्री मोदी एवं श्री शाह की गलतफहमी निकल जायेगी और उन्हें लेने के देने पड़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को पूरे किसानों की किस्मत का फैसला करने का अधिकार नहीं हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार को फासीवादी सरकार बताते हुए कहा कि यह सरकार देश को बर्बाद करना चाहती हैं। उन्होंने श्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें अह्म हैं और वह लोगों से ताली और थाली बजवाते हैं। वह देश का बैंड बजा देंगे। उन्होंने कहा कि हमें देश को एक रखना हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को लोकतंत्र में यकीन नहीं हैं और तानाशाह की प्रवृत्ति रखते हैं। जनता को ताली एवं थाली बजवाकर हिन्दु राष्ट्र की बात करते हैं। श्री गहलोत ने ये देश को बर्बाद कर रहे हैं और हिन्दु और मुसलमान में बांटने का काम कर रहे हैं।

किसान आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस का धरना

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस ने नये कृषि कानूनों के विरोध एवं किसान आंदोलन के समर्थन में किसान बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत आज राजधानी जयपुर में धरना दिया। धरना गवर्नमेंट हॉस्टल स्थित शहीद स्मारक पर दिया गया जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, चिकित्सा मंत्री डा रघु शर्मा, कृषि मंत्री लाल चंद कटारिया, परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राजस्व मंत्री हरीश चौधरी सहित कई मंत्री एवं पार्टी के विधायक एवं पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस के इन नेताओं ने एक मंच पर आकर इस समय एकजुटता का संदेश भी दिया। श्री पायलट के धरना स्थल पर पहुंचने पर उनके समर्थकों ने उनके पक्ष नारेबाजी भी की। धरनास्थल पर पूर्व पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह एवं रमेश मीना भी उनके साथ पहुंचे। धरने में निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा एवं बाबू लाल नागर भी पहुंचे। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने मीडिया से कहा कि आज धरने का कार्यक्रम यह संदेश देने के लिए किया गया हैं कि कांग्रेस किसानों के साथ हैं और मजबूती के साथ हैं। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के तहत लाखों लोग सड़कों पर हैं। राजस्थान में भी करीब एक लाख लोग आंदोलन के समर्थन में सड़क पर डटे हुए हैं। श्री डोटासरा ने कहा कि किसानों की बात इसलिए नहीं मानी जा रही हैं कि अगर किसानों की बात मान ली गई तो उनके उद्योगपति

राजधानी जयपुर सहित कई स्थानों पर हल्की वर्षा

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम के बदलने से आज सुबह राजधानी जयपुर सहित कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई जबकि अलवर जिले में कई जगहों पर ओलावृष्टि हुई। पश्चिमी विक्षोम के कारण मौसम आये बदलाव से सुबह करीब पांच बजे जयपुर, भरतपुर, अलवर सहित कई स्थानों पर बारिश हुई। जयपुर शहर में हल्की बरसात हुई। इसी तरह जयपुर जिले के शाहपुरा, बस्सी सहित कई स्थानों पर भी मावठ होने के समाचार हैं। इसी तरह भरतपुर जिले में भी कई स्थानों पर हल्की बरसात हुई। अलवर से प्राप्त समाचार के अनुसार अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में शहदका, गुर्जर खोहरा, रोनिजा पहाड़ सहित आधा दर्जन से अधिक गांवो में सुबह लगभग पांच बजे बरसात हुई और साथ में जमकर ओलावृष्टि भी हुई। जिससे किसानों की सरसों, गेहूं, चना, प्याज और सब्जी फसलें की खराब हो गईं। जिले के मालाखेड़ा, रामगढ़, बहरोड़, किशनगढ़ बास एवं अलवर शहर में भी बरसात के साथ ओले गिरे। सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश होने से ठुठुरन बढ़ गई।

पीएफए ने 56 मोरों सहित 71 पक्षियों की मौत की प्राथमिकी दर्ज कराई

भीलवाड़ा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण संस्था पीपुल फॉर एनिमल्स (पीएफए) के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने नागौर जिले के मकराना उपखंड के कालवा बड़ा गांव में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित 71 पक्षियों की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। श्री जाजू ने कालवा बड़ा गांव में 56 मोरों एवं 15 अन्य पक्षियों की मौत की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक नागौर को ईमेल एवं रजिस्टर्ड डाक से दर्ज कराई। उन्होंने इसमें जहरीला दाना डालकर मोरों का शिकार करने वाले शिकारियों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। श्री जाजू ने मोरों की इतनी बड़ी संख्या में हुई हत्या के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पुलिस एवं वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की घोर लापरवाही बताई। उन्होंने बताया कि मोरों की हत्या की सर्वाधिक घटनाएं नागौर जिले में हो रही है। पिछले सात वर्षों से प्रतिवर्ष 200 से 250 मोरों की नागौर में शिकार से मौत हो रही है । इसके बावजूद वन व पुलिस विभाग शिकारियों पर शिकंजा कसने में नाकाम रहा है। श्री जाजू ने बताया कि मोरों की हत्या वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत गैर जमानती अपराध होने के बावजूद पुलिस विभाग की ढिलाई के चलते शिकारियों को सजा नहीं हो पाती है। उल्लेखनीय है कि जाजू द्वारा पूर्व में सैकड़ों मोरों की हत्या की प्राथमिकिया नागौर पुलिस अधीक्षक को दर्ज कराने के बावजूद मोरों की हत्या का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

रेलवे बेघर हुए लोगों की बनी मददगार

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ आश्रयहीन महिलाओं तथा बच्चों के लिए भी मददगार साबित हो रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वर्ष 2020 के दौरान बेघर हुए 133 बच्चों एवं 16 महिलाओं को उनके परिजनों, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) एवं पुलिस को सुपुर्द कर उनकी घर वापसी को सुनिश्चित किया हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल रेल नियम तोड़ने वालों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई कर रहा है। वर्ष 2020 के दौरान रेल गाड़ी एवं रेल परिसर मे आईपीसी/सीआरपीसी, आर्मस एक्ट, के तहत कुल 45 लोगों को पकड़कर राजकीय रेलवे पुलिस को सुपुर्द किया गया।

राजस्थान के 13 शहरों में जारी रहेगा नाइट कर्फ्यू

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकर ने 15 जनवरी तक अपनी पाबंदियों को बरकार रखा है। दरअसल कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने 15 जनवरी तक स्कूल, कॉलेज सहित अन्य गतिविधियां पर रोक लगा दिया है। बीते दिनों कयास लगाए जा रहे थे नए वर्ष में सरकार द्वारा स्कूल, कॉलेज सहित अन्य गतिविधियां को शुरू करने के लिए नियमों ढील दिया जाएगा, अब वह धरा का धरा रह जाएगा। राजस्थान सरकार के गृह विभाग ने आदेश जारी करते हुए 15 जनवरी तक स्कूल, कॉलेज न खोलने के साथ ही साथ राज्य में होने वाली सारी गतिविधियों पर रोक लगा दि है। गौरतबल हो गतिविधियां में राजनैतिक, सामाजिक, खेलकूद, मनोरंजन, शैक्षणिक या धार्मिक आयोजनों पर रोक लगा दी हैं। बताया जा रहा है कि नाइट कर्फ्यू सहित अन्य पाबंदियों को लगाने के पीछे का कारण ब्रिटेन में मिले नये स्ट्रेन का खौफ हैं। अपन नई गाइड लाइन में इस स्ट्रेन का जीकर करते हुए गृह विभाग ने 15 जनवरी तक विशेष और कड़ी सावधानी बरतने के लिए कहा है।

बिहार

सीआरपीएफ कैंप के पास इंदकूट गुफा में मिली 50 फीट लंबी सबसे संकरी सुरंग

राजगीर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। इंदकूट गुफा... राजगीर शहर से करीब सात किलोमीटर दूर सीआरपीएफ कैंप के पास राजगीर-गया पहाड़ की हाथीमत्था चोटी पर स्थित है। मुख्य गुफा 65 फीट लंबी है। इसमें एक छोटी सुरंग है। यह शायद मगध क्षेत्र की सबसे संकरी सुरंग है। इसकी लंबाई 50 फीट के करीब है। यह इतनी संकरी है कि इसमें एक ही व्यक्ति लेटकर किसी तरह आर-पार हो सकता है। नालंदा की साहित्यिक मंडली 'शंखनाद' की टीम व पुरातत्ववेत्ताओं ने इसे एक हफ्ते पहले लोगों के समक्ष लाया है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने बताया कि उनलोगों ने कई बार सुरंग आर-पार की है। हाथीमत्था खड़ी चोटी है। इस पर चढ़ना अन्य चोटियों जैसा आसान तो नहीं, पर काफी रोमांचक है। ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने यहां के स्थानीय लोगों (इंदवस्सा) को उपदेश दिया था। गुफा के आसपास पहाड़ पर इंद्रजौ के पौधों की अधिकता है। पुरातत्ववेत्ता तूफैल अहमद खान सूरी व इतिहासकार डॉ. लक्ष्मीकांत सिंह कहते हैं- इंदकूट गुफा का वर्णन कई किताबों में है। बौद्ध ग्रंथ 'संयुक्त निकाय' के पेज 206, 'सारपत्थपकासिनी' के पेज 300 के अलावा आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा वर्ष 1936 में प्रकाशित डॉ. बिमलचूर्णला रचित 'राजगृह इन एनसिएंट लिटरेचर' के पेज 15 पर इस गुफा का वर्णन है। इनमें कहा गया है कि गौतम बुद्ध ने स्थानीय लोगों को जीवन रहस्य के बारे में जानकारी दी थी। राजगृह की रत्नागिरि पर स्थित अशोक स्तंभ के अवशेष वाली चोटी 1,243 फीट ऊंची है। जबकि इंदकूट गुफा वाली हाथीमत्था चोटी 1,300 फीट ऊंची है।

तेजस्वी की पहचान अंशकालिक राजनीतिज्ञ पूर्णकालिक पर्यटक की बनती जा रही : जदयू

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने राष्ट्रीय जनता दल और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी पहचान अंशकालिक राजनीतिज्ञ और पूर्णकालिक पर्यटक के रूप में बनती जा रही है। जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने आज यहां कहा कि नेता प्रतिपक्ष श्री यादव को ना तो अपने पद के कर्तव्यों एवं जिम्मेवारियों का कोई एहसास है और न ही बिहार की जनता से चुनाव के बाद उन्हें कोई सरोकार है। इसीलिए, नए साल में जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार जनहित के बड़े फैसले ले रहे हैं वहीं श्री यादव दिल्ली रवाना हो गए। श्री प्रसाद ने कहा कि श्री यादव कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पदचिन्हों पर चलने में यकीन करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने जब से उन्हें सत्ता से विमुख किया है तब से उनका बिहार की जनता से मोहभंग हो गया है। दरअसल तेजस्वी यादव अंशकालिक राजनीतिज्ञ एवं पूर्णकालिक पर्यटक हैं। उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में बनती जा रही है जो ठीक से नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर सकते हैं तो वह सत्ता कैसे चलाएंगे। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि श्री यादव और उनकी पार्टी के नेताओं के द्वारा दिए गए बयानों एवं जारी किए गए पोस्टरों से सत्ता के लिए उनकी बौखलाहट और हताशा लगातार बिहार की जनता के सामने आ रही है। कभी वे मुख्यमंत्री श्री कुमार को प्रधानमंत्री पद का प्रलोभन देते हैं तो कभी जदयू में टूट की बात करते हुए कहते हैं कि पार्टी को टूट से बचाना है तो बचा लो। सत्ता की हताशा और बौखलाहट में श्री यादव और राजद के बयानवीर नेता इतने भ्रमित हैं कि अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं।

जनता दल-युनाइटेड के नेता आरसीपी सिंह पार्टी दफ्तर पटना में सावित्रीबाई फुले को उनकी 190वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। - यूएनआई

विश्वशांति के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने की विशेष पूजा-अर्चना

गया, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भगवान बुद्ध की पावन ज्ञान भूमि बिहार में गया जिले के बोधगया स्थित लाओस बौद्ध मठ के मंदिर में बौद्ध भिक्षुओं ने विश्वशांति के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। लाओस मंदिर के प्रभारी भंते साईसाना ने रविवार को यहां बताया कि विश्वशांति के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई है। साथ ही कोरोना महामारी से लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए भी प्रार्थना की गई है। उन्होंने कहा कि इस बार कोरोना के कारण बोधगया में किसी भी प्रकार के पूजा-पाठ का आयोजन नहीं किया गया। बौद्ध भिक्षुओं के बीच होने वाला चीवरदान (एक प्रकार का गेरुआ कपड़ा का वितरण) समारोह भी नहीं हो सका। इसी को लेकर नव वर्ष में बौद्ध भिक्षु के बीच चीवरदान व खाद्य सामग्री का वितरण किया गया है।

अनियमितता के आरोप में दो राजस्व कर्मचारी बर्खास्त

भागलपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में गलत जमाबंदी करने और कई सालों तक लगातार अनुपस्थित रहने पर डीएम ने एक ही दिन दो राजस्व कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। बर्खास्त राजस्व कर्मचारियों में नारायणपुर अंचल के संजय कुमार रमण और गोपालपुर के राजस्व कर्मचारी किशोर कुमार मिश्रा शामिल हैं। 31 दिसंबर को डीएम प्रणव कुमार ने दोनों राजस्व कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। नारायणपुर का राजस्व कर्मचारी संजय कुमार रमण 18 अक्टूबर 2013 से लगातार अनुपस्थित था। शोकॉज करने के बाद संबंधित सीओ द्वारा उसके विरुद्ध आरोप पत्र गठित किया गया था।

उत्तर प्रदेश

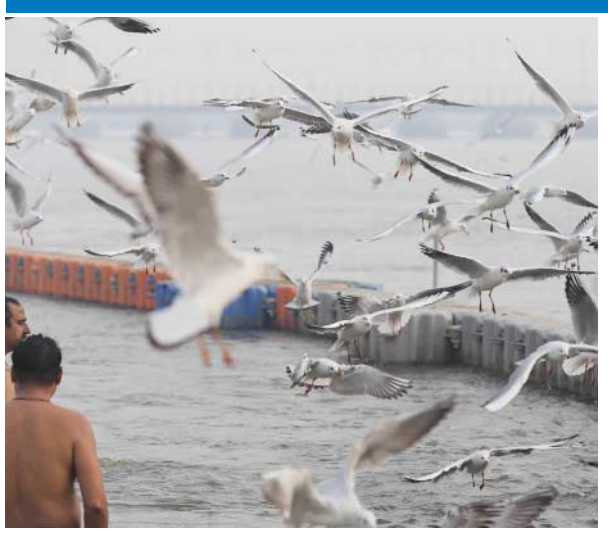

प्रयागराज में प्रवासी साइबेरियाई पक्षियों को दाना खिला रहे श्रद्धालु। -यूएनआई

पुलिस इंस्पेक्टर चला रहे थे चोरी हुई कार

कानपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में पुलिस इंस्पेक्टर दो साल पहले चोरी हुई कार चला रहे थे। इस बात का खुलासा तब हुआ जब हर्ष नगर के सर्विस सेंटर के कस्टमर केयर से कार के असली मालिक के पास कॉल कर सर्विसिंग के बारे में पूछा गया। जांच में पता चला कि कार बिठूर थाने के एसओ ने सर्विस के लिए भेजी थी। वहीं दूसरी ओर पुलिस लावारिस कार को थाने में सीज करने की बात कह रही है। बर्रा निवासी ओमेंद्र सोनी विज्ञापन एजेंसी चलाते हैं। ओमेंद्र की 31 दिसंबर 2018 को इलाके के एक धुलाई सेंटर में धुलने के लिए गई कार चोरी हो गई थी। जिस पर उन्होंने बर्रा थाने में कार चोरी का केस दर्ज कराया था।

योगी ने गोरखपुर को दी 660 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

गोरखपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर जिले की कई विधान सभा क्षेत्रों के लिए 660 करोड रूपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। श्री योगी ने अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को यहां आयोजित कार्यक्रम में 575 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद जनसभा को सम्बोधित किया। श्री योगी ने जिले के सहजनवा के मुरारी इंटर कालेज में 83.65 करोड़ से अधिक लागत की 13 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने शहीद स्मारक डोहरिया कला का सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्य, जैतपुर बोक्टा मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, महामाया आई.टी पालीटेक्निक हरिहरपुर, सीड स्टोर नगर पंचायत संग्रामपुर, ग्राम तिघरा में तालाब का सौन्दर्यीकरण एवं ग्राम रूदाईन उर्फ मझगावं में राजकीय इंटर कालेज का निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही तहसील बासगांव, तहसील सहजनवा में अधिवक्ता चेम्बर, गीड़ा में नया थाना भवन, आई.टी.आई खजनी एवं आई.टी.आई. बासगांव में कार्यशालाओं, थ्योरी कक्षों एवं अन्य निर्माण कार्य, गगहा गजपुर में नगवा नर्रे में किमी0 01 से 8 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, उरूवा बाजार में चचईराम मठ का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास के कार्यों का शिलान्यास भी किया।श्री योगी ने सहजनवा में शिलान्यास/लोकार्पण पर आम जनता को बधाई देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं का लाभ सभी को मिलेगा। अधिवक्ता चेम्बर के निर्माण से अधिवक्ता गणों को सुविधा होगी तथा गरीबों को न्याय दिलाने के लिए अच्छा माध्यम होगा।

देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को 190वीं जयंती पर किया याद

जौनपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सरावा गांव में स्थित शहीद लाल बहादुर गुप्त स्मारक पर आज हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी और लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने देश की प्रथम महिला शिक्षक क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की 190 वीं जयंती पर उन्हें याद किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर मोमबत्ती व अगरबत्ती जलाकर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद स्मारक पर अपने संबोधन में लक्ष्मीबाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मनजीत कौर एडवोकेट ने कहा कि सावित्रीबाई फुले एक समाजसेविका थीं, जिनका लक्ष्य लड़कियों को शिक्षित करना था। इसके अलावा वो भारत की पहली महिला शिक्षक, कवियत्री भी थी। सावित्रीबाई का जन्म तीन जनवरी, 1831 को महाराष्ट्र के एक गरीब परिवार में हुआ था। मात्र नौ साल की उम्र में उनकी शादी महान क्रांतिकारी ज्योतिबा फुले से हो गई,उस समय ज्योतिबा फुले की उम्र महज 13 साल थी। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई ने विधवा की शादी, छुआछूत को मिटाना,महिला को समाज में सही स्थान दिलवाना और दलित महिलाओं की शिक्षा जैसे कई कार्य किये।

अखिलेश के बयान पर गिरिराज सिंह बोले

वे छुपकर लगवा लेंगे वैक्सीन और लोगों को रखेंगे भ्रम में

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने कोरोना वैक्सीन पर दिए गए अखिलेश यादव के बयान को लोगों को भ्रम में रखने वाला बताया है। सिंह ने कहा कि ये लोग छुपकर वैक्सीन लगवा लेंगे और लोगों को भ्रम में रखेंगे। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, 'मैं तो नहीं लगवाऊंगा अभी टीका, मैंने अपनी बात कह दी। वह भी बीजेपी लगाएगी, उसका भरोसा करूं मैं। अरे जाओ भई, अपनी सरकार आएगी तो सबको फ्री वैक्सीन लगेगी। हम बीजेपी का टीका नहीं लगवा सकते।' अखिलेश के इसी बयान पर जब गिरिराज सिंह से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, 'ये लोग छुपकर वैक्सीन लगवा लेंगे और लोगों को भ्रम में रखेंगे। वे राजनीतिक दृष्टि से ऐसा बोल रहे हैं। वैक्सीन देश का है, वैज्ञानिक देश के हैं और आत्मनिर्भर भारत के लिए इससे अच्छा उदाहरण और कुछ नहीं हो सकता।' कोरोना वैक्सीन पर दिए अपने बयान पर घिरने के बाद अखिलेश ने सफाई भी दी और बीजेपी की वैक्सीन की जगह बीजेपी की राजनीतिक वैक्सीन नहीं लगवाने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हमें वैज्ञानिकों की दक्षता पर पूरा भरोसा है पर बीजेपी की ताली-थाली वाली अवैज्ञानिक सोच व बीजेपी सरकार की वैक्सीन लगवाने की उस चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा नहीं है, जो कोरोनाकाल में ठप्प-सी पड़ी रही है। हम बीजेपी की राजनीतिक वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। सपा की सरकार वैक्सीन मुफ्त लगवाएगी।'

घर से निकला ऑफिस के लिए, पत्नी ने होटल में गर्लफ्रैंड के साथ पकड़ा

कानपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर के गोविंदनगर क्षेत्र में स्थित होटल में देर शाम लड़कियों के साथ संग न्यू ईयर पार्टी मनाते उनकी पत्नियों ने रंगेहाथ पकड़ा। सबके सामने पति की पिटाई की और फिर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को थाने ले आई। शिवराजपुर निवासी महिला ने बताया कि वर्ष 2018 में उसकी शादी सर्वोदय नगर में रहने वाले एक युवक से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद भी पति के दूसरी युवतियों से संबंध हैं। कई बार रोकने के बावजूद जब वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आए तो एक रिश्तेदार के जरिए उनका पीछा करना शुरू कर दिया। पति सुबह टिफिन लेकर निकले थे, लेकिन काम पर नहीं पहुंचे। रिश्तेदार उसका पीछा करते हुए गोविंदनगर स्थित होटल पहुंचा, जहां पहले से ही दो युवती और एक युवक खड़ा था। चारों होटल के अंदर पहुंचे तो रिश्तेदार ने सूचना उन्हें दी।

हरियाणा

किसान बोता है तो पूरा हिंदुस्तान खाता है: हुड्डा

सोनीपत, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज कहा कि किसान की तकलीफ पूरे देश की तकलीफ है, क्योंकि बोता तो किसान है लेकिन खाता पूरा हिंदुस्तान है। श्री हुड्डा ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि कहा कि सरकार को बिना देरी लगाए तीनों कृषि क़ानूनों को रद्द करना चाहिए और किसानों की सहमति से ही भविष्य में कोई फ़ैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं। लगातार आंदोलनरत किसानों की जानें जा रही हैं। पिछले 24 घंटे में तीन किसानों की शहादत हो चुकी है। इसलिए अन्नदाता के प्रति सरकार की अनदेखी बेहद पीड़ा पहुंचाने वाली है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम किसानों के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा और सरकार के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहते हैं, लेकिन राज्यपाल अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करके सत्र बुलाने से परहेज़ कर रहे हैं। उन्होंने हमारी अपील पर विपक्ष के विधायकों से मिलने तक से इंकार कर दिया। इसलिए हम एक बार फिर राज्यपाल से मिलने और सत्र बुलाने की अपील करेंगे। खट्टर-सरकार पर निशाना साधते हुए श्री हुड्डा ने एक बार फिर बेरोज़गारी के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का युवा पूरे देश में सबसे ज्यादा बेरोज़गारी दर झेल रहा है। जो इक्का-दुक्का नौकरियां निकल रही हैं उन्हें भी सरकार रद्द करने का काम कर रही है। सरकार रोज़गार देने की बजाय रोज़गार छीनने में लगी है। उन्होंने खेल कोटे से भर्ती हुए ग्रुप-डी के 1518 कर्मचारियों का ज़िक्र करते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें नौकरी से हटाकर अन्याय किया है। सरकार का काम नौकरी देना होता है, छीनना नहीं। ग्रुप-डी कर्मियों से पहले सरकार ये काम ड्राइंग और पीटीआई टीचर्स के साथ ऐसा कर चुकी है।

लड़ाई अब देश बनाम भाजपा है : सुरजेवाला

जींद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन के बीच किसानों का समर्थन करने पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आज कहा है कि ये धर्म युद्ध है और अब लड़ाई देश बनाम भारतीय जनता पार्टी है। खटकड़ गांव स्थित टोल प्लाजा पर चल रहे किसान धरने पर आये श्री सुरजेवाला ने कहा कि यह लड़ाई कांग्रेस बनाम भाजपा नहीं है, न ही किसान-मजूदर बनाम भाजपा है, बल्कि देश बनाम भाजपा है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की मां के लिए शोक प्रकट करने का समय तो है लेकिन किसान आंदोलन में जान गंवा चुके 57 से ज्यादा किसानों के लिए दो शब्द बोलने का भी समय नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में किसानों व केंद्र सरकार के बीच कल होने वाली वार्ता के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री सुरजेवाला ने कहा कि अब किसानों को कुछ नही करना है, बल्कि सरकार को तीनों कानून वापिस लेने है क्योंकि देश कानूनों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि तीनों कानून रद्द करके सरकार किसानों के साथ नए सिरे से बात करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अब फैसला कर लें कि उन्हें चार उद्योगपतियों के द्वार पर माथा टेकना है या फिर देश के 130 करोड़ लोगों के साथ खड़ा होना है।

कुंडली बॉर्डर पर आंदोलनरत दो किसानों की मौत

सोनीपत, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में सोनीपत के कुंडली बॉर्डर पर कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे दो किसानों की आज मौत हो गई है। अंदेशा है कि ठंड में हृदयघात होने से दोनों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार आज गोहाना के गांव गंगाना का किसान कुलबीर सिंह (52) पारकर माल के पास स्थित अपने टैंट में मृत पाये गये। गांव से साथ आए किसानों ने मामले की सूचना कुंडली थाना पुलिस को दी। किसानों ने बताया कि कुलबीर शनिवार रात को ठीक था। वह थोड़ी थकान महसूस कर रहा था। रात खाना खाने के बाद टैंट में सो गए थे। सुबह उठे तो कुलबीर मृत मिला। वह लगातार आंदोलन में पहुंच रहा था। अब पांच दिन से वह आंदोलन स्थल पर था। उसके कुछ देर बाद ही पंजाब के जिला संगरूर के गांव लिदड़ा का किसान शमेशर (45) की हालत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। साथी किसान कर्म सिंह ने बताया कि शमशेर पांच दिन पहले पंजाब से आया था। आज को उसके सीने में दर्द हुआ था। उसे सामान्य अस्पताल में लेकर गए। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शमशेर के साथियों ने अस्पताल में सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। कुंडली धरना पर गांव गंगाना के किसान कुलबीर की मौत की सूचना जब उनके गांव के किसान युधिष्ठर सिंह (35) को मिली तो उन्हें भी आंदोलन स्थल पर दिल का दौरा पड़ा। युधिष्ठर को उपचार के लिए सामान्य अस्पताल लाया गया। जहां से गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच कुंडली थाना के जांच अधिकारी शमशेर सिंह ने कुंडली धरना स्थल पर दो किसानों की मौत होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि शवों के पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए हैं।

दैनिक विश्वमित्र

● R.N.I. NO. 2508/57 ● Regd. No. KOL RMS/291/2019-2021

कोविशील्ड को डीसीजीआई की मंजूरी पर उठे सवाल

अनिवार्य प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने पर कांग्रेस ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने भारत के औषधि नियामक द्वारा भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके के सीमित उपयोग की अनुमति दिए जाने पर चिंता जताई और सरकार को यह बताने को कहा कि अनिवार्य प्रोटोकॉल तथा डेटा के सत्यापन का पालन क्यों नहीं किया गया। भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को आज मंजूरी दे दी जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श करने वाली गृह मामलों की संसदीय समिति के प्रमुख शर्मा ने कहा कि टीके के उपयोग की मंजूरी के मुद्दे पर बेहद सावधानी बरतना आवश्यक है क्योंकि किसी भी देश ने अनिवार्य चरण तीन परीक्षणों और डेटा सत्यापन के साथ समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ समिति के समक्ष दी गई प्रस्तुति के अनुसार, चरण तीन के परीक्षण पूरे नहीं हुए हैं और इसलिए, सुरक्षा तथा प्रभाव के आंकड़ों की समीक्षा नहीं की गई है, जो एक अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने कहा,

'स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मामले में अनिवार्य प्रोटोकॉल और जरूरतों के साथ समझौता करने के लिए अलग-अलग कारण बताना चाहिए, क्योंकि इसमें कोविड-19 के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले स्वास्थ्य और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं जिन्हें सीमित श्रेणी के तहत टीका लगाया जाएगा।'

शर्मा ने कहा कि डीसीजीआई के बयान में स्पष्टता की कमी है और सरकार को टीके की सिद्ध प्रभावशीलता पर किसी भी भ्रम से बचने के लिए वैश्विक प्रभावशीलता परीक्षणों तथा ब्रिटेन में अंतिम परीक्षणों के आंकड़ों को पेश करना चाहिए जिसे ब्रिटेन के एमएचआरए ने दोनों देशों की सरकारों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद आधिकारिक रूप से साझा किया है। उन्होंने कहा कि टीके के आगमन और टीकाकरण की शुरुआत की खबर महामारी से पीड़ित देश को ''वास्तव में आश्वस्त'' करने वाली है। शर्मा ने कहा कि साथ ही यह देश के वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं और संस्थानों के लिए भी एक सम्मान है, जिन्होंने भारत को दुनिया के सबसे बड़े टीका निर्माता के रूप में स्थापित किया है।

मौसम बदलने में लगता है वक्त

अमित सिंह

कोलकाता, 3 जनवरी (निप्र)। जब संभावनाएं बनती है तो सबके लिए बनती है। जब अवसर आते हैं तो सबके लिए आते हैं। अवसरों से और संभावनाओं से लाभ सबको होता है। किसी को पहले तो किसी को बाद में, किसी को कम तो किसी को ज्यादा। इसी तरह जब मौसम करवटें बदलता है तो फिर कुछ समय तक टिकता है, अपना असर दिखाता है और फिर से बदलने में थोड़ा वक्त लगता है। ठीक ऐसी ही स्थिति देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था में देखने को मिल रही है। कोरोना वायरस का संक्रमण एक महासंकट के रूप में पूरी दुनिया के सामने आया, जिसने सबको झकझोर कर रख दिया। बड़ी-बड़ी शक्तियों को घुटने टेक देने पड़े। उद्योग-व्यापार का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा, जिसको झटके न लगे हों। कुछ समय के लिए तो उद्योग धंधे पूरी तरह से थम गए, ठहर गए। चारों तरफ निराशा और हताशा का माहौल बन गया। व्यापारी वर्ग चिंता में डूब गया। उद्यमी समुदाय के माथे पर बल पड़ गए। किसी को भी नहीं पता था कि आने वाले समय में क्या होगा? लेकिन एक बात हमेशा समझ कर रखनी चाहिए कि कोई भी संकट आता है तो जाता भी है। यहां ठहरता कुछ भी नहीं है। सुख हो या दुख, दोनों ही आते-जाते रहते हैं। निश्चित रूप से कोरोना वायरस का संक्रमण और दुनियाभर में लॉकडाउन एक अप्रत्याशित संकट के रूप में आया, अपना असर दिखाया और अब धीरे-धीरे जाने लगा है। स्थितियां फिर से करवटें बदलने लगी हैं। आहिस्ता-आहिस्ता देश की अर्थव्यवस्था एक बार फिर से पटरी पर लौटने लगी है। हां, थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। इसके बाद जो कुछ भी होगा, अच्छा ही अच्छा होगा। काफी संकट झेल लिया गया। अब इसके जाने की शुरुआत हो चुकी है। ऐसा प्रतीत होता है कि अगले तीन-चार महीने के दौरान फिर से सबकुछ सामान्य हो जाएगा, बल्कि उद्योग-व्यापार के कुछ क्षेत्रों में तो स्थितियां पहले से भी बेहतर हो सकती हैं। यह कथन है **अमित एलायंस ग्रुप** के चेयरमैन **श्री अमित सिंह** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ एक विशेष बातचीत में मौजूदा औद्योगिक-व्यापारिक परिदृश्य पर चर्चा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि अमित एलायंस ग्रुप स्टील, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। इस ग्रुप का व्यवसाय और कारखाने पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त झारखंड, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और बिहार में फैला हुआ है।

श्री सिंह कहते हैं कि देश में देखा जा रहा है कि कई क्षेत्रों में फिर से तेजी का दौर शुरू हो गया है। सुधार तेज रफ्तार से हो रहा है। दरअसल

देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में मांग बढ़ने से स्टील के दाम बढ़ गए हैं।

लोगों में अब पहले जैसा कोरोना का भय नहीं रहा। लोग सावधानी बरतते हुए बाहर निकल रहे हैं। अपने-अपने काम में एक बार फिर से सक्रिय हो रहे हैं। लोगों ने यह मान लिया है कि ज्यादा वक्त तक कोरोना को लेकर घरों में नहीं बैठा जा सकता। कोरोना के साथ ही जिंदगी की गाड़ी आगे बढ़ानी होगी। कोरोना की रोकथाम के लिए वैक्सीन जल्द से जल्द आने की खबरों से भी बाजार की धारणा मजबूत हुई है। शेयर बाजार लगातार तेजी पर है। स्टील के दाम बढ़ गए हैं। स्टील की मांग बढ़ी है। यह स्थिति पूरे विश्व में है। ऐसा नहीं है कि किसी एक क्षेत्र में, एक देश में स्टील की खपत बढ़ी हो। कमोबेश दुनियाभर का यही हाल है। स्टील के उत्पादन में कमी के पीछे एक यह भी कारण बताया जा रहा है कि आस्ट्रेलिया ने खासकर चीन को आयरन ओर तथा कोल की सप्लाई करनी बंद कर दी है। श्री सिंह कहते हैं कि कुछ उद्योगों में अभी भी सुधार की रफ्तार काफी धीमी है। उदाहरण के तौर पर ट्रैवल एंड टूरिस्ट इंडस्ट्री काफी मंद गति से आगे बढ़ रही है, क्योंकि लोगों का बाहर निकलना और विशेषकर घूमने-फिरने की दृष्टि से बाहर निकलना अभी भी पहले के मुकाबले काफी कम है, लेकिन शुरुआत हो गई है और शुरुआत अच्छी है। इस तरह से कुछ सर्विस सेक्टर को छोड़कर धीरे-धीरे उद्योग-धंधे सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें दोनों ही अपने-अपने स्तर से पूरजोर कोशिशें कर रही हैं, जिसके अच्छे नतीजे देखने को मिल रहे हैं। आने वाले तीन-चार महीनों के दौरान स्थिति में काफी अच्छा सुधार आएगा।

तापसी पन्नू ने बताया सही 'कॉन्फिडेंस' क्या होता है

मुंबई, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर खुद से जुड़ी हर अपडेट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने अब अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए 'कॉन्फिडेंस' को लेकर दिलचस्प पोस्ट की है। तापसी पन्नू ने बताया कि सही 'कॉन्फिडेंस' क्या होता है? तापसी की यह पोस्ट फैंस को बेहद पसंद आ रही है। तस्वीर में तापसी राउंडेड धूप का चश्मा पहने एक ग्रे रंग की ड्रेस में दिखाई दे रही हैं, जिसमें उनके बाल खुल हुए हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, 'कॉन्फिडेंस' एक कमरे में नहीं चल रहा है यह सोचकर कि आप हर किसी से बेहतर हैं। आप कभी किसी से पहली बार मिल कर उससे खुद की तुलना न करें। हैप्पी संडे।' तापसी की पोस्ट पर लगातार रिएक्शन आ रहे हैं।

मकान पर गिरी बस, 6 मरे

कासरगोड (केरल), 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कासरगोड के पास आज सुबह एक बस पहाड़ी पर चढ़ने के दौरान खाली मकान के ऊपर जा गिरी। इस हादसे में बस में सवार 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। बस में सवार यात्री शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि यात्री कर्नाटक के निवासी हैं और वे पनाथूर इलुकोची की ओर जा रहे थे। हादसा सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, चालक एक पहाड़ी पर चढ़ते समय वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन एक खाली मकान पर जा गिरा। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, दुर्घटना में कई लोग घायल हुए। हम अभी इनका विवरण जुटा रहे हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

आर्यावर्त की पुण्य भूमि पर,
जय गान सुनाया जायेगा।
युक्ति - प्रमाण से स्वयंसिद्ध,
नव वर्ष हमारा हो प्रसिद्ध।
आर्यों की कीर्ति सदा -सदा,
नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा।
अनमोल विरासत के धनिकों को,
चाहिये कोई उधार नहीं।
ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं,
है अपना ये त्यौहार नहीं।
है अपनी ये तो रीत नहीं,
है अपना ये त्यौहार नहीं।

-राष्ट्रकवि रामधारीसिंह दिनकर

भारत में कोरोना वैक्सीन की मंजूरी का डब्ल्यूएचओ में स्वागत

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोनावायरस के टीके के आपात उपयोग की मंजूरी देने के भारत के फैसले का आज स्वागत करते हुए कहा कि यह मौजूदा महामारी के खिलाफ लड़ाई को तेज और मजबूत करने में मदद करेगा। भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के कोविड-19 के टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात उपयोग की रविवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही, देश में आने वाले दिनों में कम से कम दो टीकों के साथ टीकाकरण अभियान शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में कोविड-19 के टीके के प्रथम आपात उपयोग की मंजूरी का विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वागत करता है। भारत द्वारा आज लिए गए फैसले से क्षेत्र में कोविड-19 महामारी के

खिलाफ लड़ाई तेज करने और उसे मजबूत करने में मदद मिलेगी। खेत्रपाल के मुताबिक, प्राथमिकता प्राप्त आबादी में टीके का उपयोग, जन स्वास्थ्य के अन्य उपायों का क्रियान्वयन जारी रखना तथा सामुदायिक भागीदारी महामारी का प्रभाव घटाने में महत्वपूर्ण होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनावायरस के खिलाफ भारत की जंग में इसे निर्णायक क्षण बताते हुए कहा कि इससे कोविड मुक्त भारत की मुहिम को बल मिलेगा। देश में रविवार को कोरोनावायरस संक्रमण के 18,177 नए मामले सामने आने के बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 1,03,23,965 हो गई है, जिनमें से 99,27,310 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 217 और लोगों की मौत होने के बाद देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 1,49,435 हो गई है। देश में कोविड-19 के कारण मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है।

समंदर किनारे हॉट पोज

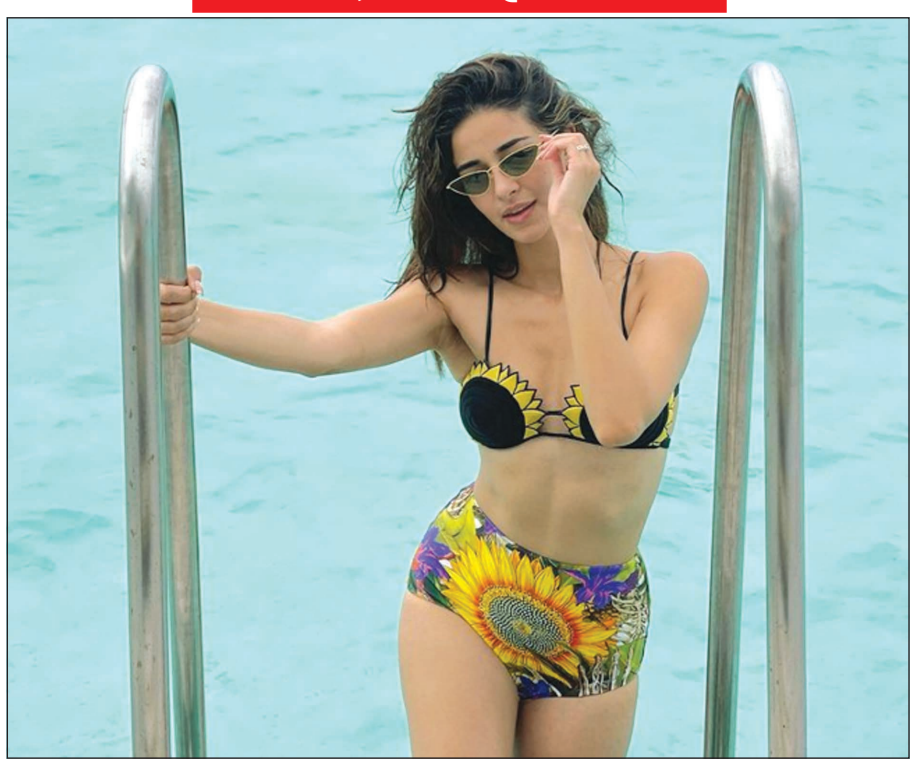

मुंबई, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। इन दिनों कई सेलेब्स मालदीव में न्यू ईयर वेकेशन एंजॉय कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे में मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। वह लगातार अपनी कई हॉट तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। हाल ही में अनन्या पांडे ने स्विमसूट में अपनी कुछ हॉट तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। इन तस्वीरों के साथ ही अनन्या ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। तस्वीरों में अनन्या सनफ्लॉवर शेप की बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वरों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अनन्या लगातार सोशल मीडिया पर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर कर रही हैं।

बता दें कि अनन्या पांडे शकुन बत्रा की फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स के साथ नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग गोवा और मुंबई में हुई है। अनन्या को फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' और कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो' के जरिए पहचान मिली है।

कोरोना : अब तक 13% आबादी की जांच हुई

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कोरोना की वैक्सीन जल्द आने के संकेतों के बीच देश में इस वायरस की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है। इसकी बड़ी वजह टेस्टिंग और ट्रेसिंग है। अब तक कुल आबादी के लगभग 13% हिस्से यानी 17.4 करोड़ लोगों के टेस्ट किए जा चुके हैं। इनमें 5.9% लोग संक्रमित मिले। इसका मतलब है कि हर 100 टेस्ट पर सिर्फ 6 लोगों में ही संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्यों की बात करें, तो 6 राज्यों में टेस्टिंग का आंकड़ा एक करोड़ के पार पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 2.4 करोड़ कोरोना टेस्ट किए गए। वहीं, बिहार में 1.9 करोड़, तमिलनाडु और कर्नाटक में 1.4 करोड़, महाराष्ट्र में 1.3

करोड़ और आंध्र प्रदेश में 1.2 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं। पॉजिटिविटी रेट की बात करें, तो महाराष्ट्र 15% के साथ सबसे ऊपर है। इसके बाद गोवा 12.7%, चंडीगढ़ 10.8%, नगालैंड 9.9%, केरल 9.6% और लद्दाख 9% का नंबर आता है। सबसे ज्यादा एक्टिव केस भी केरल (65,377) और महाराष्ट्र (53,137) में ही हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर 18 हजार 144 नए केस मिले। 20 हजार 903 लोग रिकवर हुए और 216 की मौत हो गई। देश में अब तक 1 करोड़ 3 लाख 24 हजार से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी बात ये है कि अब तक 99 लाख 26 हजार लोग रिकवर हो चुके हैं।

'अहंकारी' सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

उन्होंने आरोप लगाया लगता है कि मुट्ठी भर उद्योगपति और उनका मुनाफ़ा सुनिश्चित करना ही इस सरकार का मुख्य एजेंडा बनकर रह गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि ये काले कानून कृषि और किसानों को बर्बाद कर देंगे। कांग्रेस इन कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का भी समर्थन कर रही है। कड़ाके की ठंड के बावजूद दिल्ली से लगी सीमाओं पर किसान प्रदर्शन कर रहे हैं।

कोरोना वायरस का आतंक

कैलिफोर्निया में हालात बेकाबू, लोगों से ब्लड डोनेशन की अपील

वॉशिंगटन, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 8.49 करोड़ के ज्यादा हो गया। 6 करोड़ 01 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 18 लाख 42 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। अमेरिका में संक्रमण से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। कैलिफोर्निया के अस्पतालों में बेड्स की कमी पहले ही हो चुकी थी। अब यहां गंभीर मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि लोगों से ब्लड डोनेशन की अपील की गई है। कैलिफोर्निया के हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक अपील जारी की। इसमें लोगों से ब्लड डोनेशन यानी रक्तदान की अपील की गई है। बयान में कहा गया- हमारा राज्य कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से जूझ रहा है। यह बेहद मुश्किल वक्त है। हमारे ब्लड सेंटर्स को ब्लड यूनिट्स की सख्त जरूरत है। कृपया, हर ब्लड ग्रुप के लोग डोनेशन के लिए आगे आएं। इस महामारी का मुकाबला करना है तो सबको साथ आना होगा। हमें अपने लोगों की जान बचानी है। सीएनएन के मुताबिक, अकेले कैलिफोर्निया में 585 संक्रमितों की मौत हुई। यह एक दिन में यहां हुई मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। हालात कितने खराब हो रहे हैं इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हेल्थ केयर वर्कर्स के अलावा,

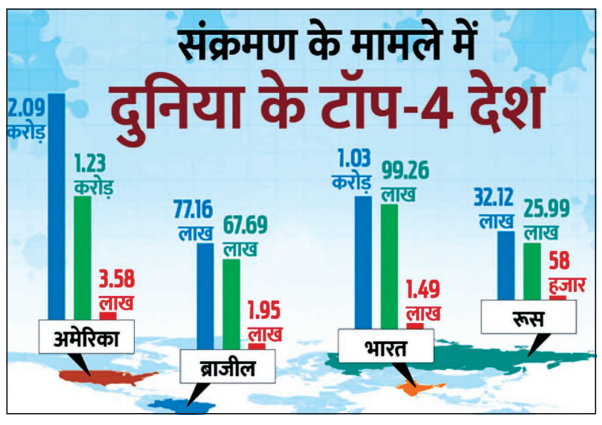

नेशनल गार्ड और अमेरिकी आर्मी की हेल्थ यूनिट को भी तैनात कर दिया गया है। पेशेंट्स को शिफ्ट करने के लिए एयरफोर्स की मदद ली जा रही है।

अमेरिका में न्यू इयर सेलिब्रेशन भी भारी पड़ा। यहां शनिवार को हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक बयान जारी किया। इसमें बताया गया कि कुल एक लाख 60 हजार मामले न्यू इयर के अगले दिन यानी 2 जनवरी को सामने आए। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की राजधानी में संक्रमण और गंभीर मामले बढ़ते जा रहे हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने शनिवार रात ब्रीफिंग में कहा- टोक्यो में संक्रमण अब फिर तेजी से बढ़ रहा है। यहां के अस्पतालों में कुल 716 मरीज ऐसे हैं, जिनकी हालत बेहद गंभीर है। सर्दियों में हालात और मुश्किल हो सकते हैं। यहां एक ही दिन में 54 लोगों की मौत हुई। टोक्यो की गवर्नर ने शहर में इमरजेंसी लगाने की मांग की है। गवर्नर यूरिको कोइकी ने कहा- हमें यह तय करना होगा कि यह संक्रमण तेजी से न फैले। इसके लिए अगर सख्त उपाय करने पड़ें तो यह जरूर करें। अमेरिकी कंपनी फाइजर की कोरोना वैक्सीन का पांच लोगों में गंभीर साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। फिनलैंड की मेडिसिन एजेंसी को यह शिकायत मिली है। दो दिन पहले ही फाइजर को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने पूरी दुनिया में इमरजेंसी यूज के लिए अप्रूव किया था।

पाक में हिंदू मंदिर पर हमला

अब तक 100 गिरफ्तार

पेशावर, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी के सदस्यों के नेतृत्व में भीड़ द्वारा एक हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़ की घटना में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने 45 और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 100 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा में करक जिले के टेरी गांव में कुछ लोगों ने गत बुधवार को मंदिर के विस्तार कार्य के विरोध में उसमें तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। इस घटना के सिलसिले में दर्ज की गई प्राथमिकी में 350 से अधिक लोग नामजद हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों को आतंकवादरोधी अदालत (एटीसी) में पेश किया गया और अदालत ने आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस मंदिर में एक हिंदू धार्मिक नेता की समाधि थी। मंदिर की दशकों पुरानी इमारत के जीर्णोद्धार के लिए हिंदू समुदाय ने स्थानीय अधिकारियों से अनुमति ली थी। कुछ स्थानीय मौलवियों और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजल उर रहमान समूह) के समर्थकों की अगुवाई में भीड़ ने पुराने ढांचे के साथ-साथ नए निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया था। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने भी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया है।

नववर्ष

मीनाक्षी छाजेड़

शुभाशीष, शुभकामना,
शुभभावना वर
अर्धरात्रि का विशद् उल्लास भर
नववर्ष आगमन के सम्मान पर
चिर-तृप्ति अमरता पूर्ण प्रहर।
नमन नवभोर की पहली किरण पर
नमन प्रखर ज्योति पुंज निरंतर
परम शक्ति को नत प्रणत कर
धन्य हूँ कर,करबद्ध नमन ईश्वर।
नव कल्पना ,नव सृष्टि का आह्वान कर
जीवन में नवरंग बुनकर
जो बीता,जो होगा नव साथ फिर
जीवन है सुर ताल सा सुंदर।
दुर्लभ जीवन में सुवास भरकर
संकल्पों के थाल सजाकर
नव चेतना,नव प्राण लेकर
अक्षत- कुंकुम सजे नव वर्ष भाल पर

पुष्पा अग्रवाल

साल 2020 हमें दे गया अनेकों सौगातें।
हमें सिखा गया सही जीवन मूल्यों को।
थोड़ा डरावना था पर बहुत कुछ सिखा गया।
बरसों से तरसती बहुत से दिलों को सुकून दे गया।
अपने अपनों से अलग रहने का गम, चाहे शिक्षा की मजबूरी या आर्थिक मजबूरी, जीवन में थी बस दूर तक दूरी ही दूरी। जो न कर सकता था कोई वो काम कर गया।
सबको अपनों का लंबा साथ दे गया। तपती तरसती रूहों को सुकून दे गया। हां कुछ अपने बिछड़े दुख है बहुत बड़ा। बहुत परिवारों को कर गया छड़ा।
साल 2020 दे गया हमें समझ पर्यावरण की,
दे गया समझ ठहराव की, दे गया समझ जुड़ाव की।
यह कोई भी किसी भी हाल में कर नहीं सकता।
2020 के साल जैसा साल हो नहीं सकता।
साल 2020 हमें दे गया अनेकों सौगातें,
हमें करना है स्वागत 2021 का आते आते।

कोरोना वैक्सीन से नपुंसकता! एकदम बकवास बात

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। मीडिया ने डीसीजीआई के निदेशक वीजी सोमानी से पूछा कि ऐसी अफवाहें चल रही है कि इस कोरोना वैक्सीन को लेने से आदमी नपुंसक हो सकता है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये एकदम बकवास बात है और इसे जरा भी तवज्जो नहीं देनी चाहिए। जैसा कि आशंका थी कोरोना वैक्सीन आने के बाद इसे लेकर कई तरह की अफवाहें सामने आएगीं। अब जो सबसे चौंकाने वाली अफवाह वैक्सीन को लेकर आई है वो यह है कि इसे लगाने के बाद आदमी नपुंसक हो सकता है। बता दें कि भारत में कोरोना के खिलाफ जंग में दो वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन के इस्तेमाल की अनुमति मिल गई है। डीसीजीआई ने आज दोनों वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत दे दी। अब देश में इस वैक्सीन को सार्वजनिक रूप से लगाया जा सकेगा। हालांकि, इस वैक्सीन को अप्रूवल मिलने से पहले ही कुछ लोगों ने इसे

लेकर अफवाहें उड़ाई। कुछ लोगों ने वैक्सीन के साइड इफेक्ट को बढ़ा चढ़ाकर बताया। तो कुछ लोगों ने कहा कि इस वैक्सीन को लेने से इंसान नपुंसक हो सकता है। आज उत्तराखंड के निदेशक वीजी सोमानी ने इस अफवाहों को बकवास बताया और इसे सिरे से खारिज कर दिया।

डीसीजीआई के निदेशक वीजी सोमानी वैक्सीन के साइड इफेक्ट के बारे में कि ये वैक्सीन 110 प्रतिशत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि अगर वैक्सीन की सुरक्षा को लेकर जरा भी चिंता होती तो वे इसके इस्तेमाल की इजाजत नहीं देते। इन्होंने कहा कि वैक्सीन लेने के बाद हल्का बुखार, सरदर्द, एलर्जी जैसी मामूली दिक्कतें हो सकती है। बता दें कि कल यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इस वैक्सीन को लेने से इनकार कर दिया था और इसे बीजेपी की राजनीतिक वैक्सीन बताया था। इसके बाद अखिलेश के विधायक आशुतोष सिन्हा ने कहा था कि ये वैक्सीन नपुंसक बनाने वाली हो सकती है।